

नवरात्रि में महिलाओं की सुरक्षा के लिए इंदौर पुलिस अलर्ट, 15 शक्ति मोबाइल टीमों करेंगी लगातार पेट्रोलिंग

गरबा पंडालों और धार्मिक स्थलों पर मनचलों व असामाजिक तत्वों पर रहेगी नजर, महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर 70491-24444 जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के दौरान महिलाएं और युवतियां निर्भीक होकर गरबा, भजन संध्या और अन्य धार्मिक आयोजनों में शामिल हो सकें, इसके लिए इंदौर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। महिला संबंधी अपराधों पर नियंत्रण और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस की शक्ति मोबाइल टीमों को मैदान में उतारा गया है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने सोमवार को पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय से 15 शक्ति मोबाइल वाहनों की टीमों को ब्रीफ करने के बाद खाना किया।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने टीमों को निर्देश दिए कि नवरात्रि के दौरान शहर के विभिन्न गरबा पंडालों, भजन संध्याओं, कन्या पूजन, भंडारों और अन्य धार्मिक



आयोजनों के आसपास लगातार पेट्रोलिंग की जाए। विशेष रूप से रात के समय सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए, ताकि महिलाएं और युवतियां बिना किसी डर के धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले सकें।

प्रत्येक एसीपी अनुभाग के अंतर्गत काम करने वाली इन टीमों में महिला निरीक्षक या उपनिरीक्षक प्रभारी के रूप में तैनात रहेंगी। इनके साथ दो महिला आरक्षक और दो पुरुष आरक्षक चार पहिया वाहनों से क्षेत्र में गिराना करेंगे। टीमों को मनचलों, छेड़छाड़ करने वालों, नशा कर उत्पात मचाने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

शक्ति मोबाइल की टीमों केवल पेट्रोलिंग तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि धार्मिक आयोजनों में मौजूद महिलाओं, युवतियों और

महिला आयोजकों से संवाद भी करेंगी। किसी भी प्रकार की परेशानी या शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

महिलाओं और युवतियों की सहायता के लिए इंदौर पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 70491-24444 भी जारी किया है। किसी भी तरह की समस्या या असुरक्षा महसूस होने पर इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी तथा शक्ति मोबाइल टीमों में तैनात महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। पुलिस का उद्देश्य नवरात्रि सहित पर्व-त्योहारों के दौरान शहर में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण रखना है।

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान-2026 से अभिनेता रघुवीर यादव होंगे अलंकृत

खंडवा में 13 अक्टूबर को सजेगी गीत-संगीत की महफिल, गायक सुदेश भोंसले देंगे प्रस्तुति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन खण्डवा के सहयोग से हरफनमौला कलाकार किशोर कुमार की पुण्य स्मृति में उनकी जन्मस्थली खण्डवा स्थित पुलिस ग्राउंड में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान अलंकरण समारोह एवं गीत - संगीत संध्या' का आयोजन किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि सुप्रतिष्ठित राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष 2026 सुविख्यात अभिनेता श्री रघुवीर यादव को अभिनय के लिए प्रदान किया जाएगा।

श्री एन.पी. नामदेव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हरफनमौला कलाकार किशोर कुमार की स्मृति में यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया जाता है, साथ ही प्रतिवर्ष उनकी जन्मस्थली खण्डवा में यह भव्य आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दो दिवसीय

आयोजन के दूसरे दिन 13 अक्टूबर मालवार को किशोर कुमार की पुण्य स्मृति के अवसर पर राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान अलंकरण समारोह एवं गीत-संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष 2026 से सुविख्यात अभिनेता श्री रघुवीर यादव को अलंकृत किया जाएगा। अलंकरण समारोह के बाद सुविख्यात गायक श्री सुदेश भोंसले एवं साथी, मुम्बई की गीत ड्डू संगीत प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम सायं 7 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें प्रवेश निःशुल्क रहेगा। 1997 से प्रदान किया जा रहा राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान- मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का सुप्रतिष्ठित राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष 1997 से प्रदान किया जा रहा है। यह सम्मान अब तक 29 विभूतियों को प्रदान किया जा चुका है। विभाग द्वारा यह सम्मान सिनेमा के क्षेत्र में निर्देशन, अभिनय, पटकथा तथा गीत लेखन के लिए स्थापित

किया गया है। यह सम्मान उत्कृष्टता, दीर्घ साधना, श्रेष्ठ उपलब्धि के मापदंडों के आधार पर देय है। इसमें सम्मान स्वरूप रुपये 5 लाख (कर मुक्त) राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका प्रदान की जाती है।

श्री रघुवीर यादव- श्री रघुवीर यादव, भारतीय रंगमंच और सिनेमा के बहुमुखी एवं सशक्त अभिनेता, गायक और संगीतकार हैं। उनका जन्म 25 जून, 1957 को जबलपुर, मध्यप्रदेश में हुआ। रंगमंच से अपनी अभिनय यात्रा को प्रारंभ करने के बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (हस्छ), नई दिल्ली से प्रशिक्षण प्राप्त किया और लंबे समय तक रंगकर्म से जुड़े रहे। उन्होंने 'मैसी साहब' (1985) से फिल्मों में उल्लेखनीय शुरुआत की। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें FIPRESCI Critics Award, वेनिस फिल्म फेस्टिवल (1986) और IFFI का सिल्वर पीकॉक सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार (1987) मिला।

इंदौर जिले में पंच परमेश्वर योजना में बड़ा भ्रष्टाचार, 45 केस किए गए दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की शिकायतें किस तरह अलग-अलग स्तरों पर सामने आ रही हैं, इसकी तस्वीर दो आंकड़ों से मिलती है। एक ओर 4 सितंबर 2024 से 6 अक्टूबर 2026 के बीच सरकारी योजनाओं से जुड़े 45 प्रकरण दर्ज किए गए। दूसरी ओर लोकायुक्त इंदौर के वर्ष 2026 के आंकड़ों में 44 अपराध पंजीबद्ध होने की जानकारी है।

लोकायुक्त के मामलों में सबसे बड़ा हिस्सा रिश्तत लेते पकड़े जाने यानी ट्रैप कार्रवाई का है। दर्ज 44 अपराधों में 40 ट्रैप के, एक पर्व के दुरुपयोग और तीन आय से अधिक संपत्ति से जुड़े छापों के मामले हैं। एसपी (लोकायुक्त) डा. राजेश सहाय के मुताबिक सरकारी योजनाओं से संबंधित 45 प्रकरणों की सूची में पंच परमेश्वर योजना सबसे ऊपर है। इसके तहत 18 मामले दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री कुटीर निर्माण योजना के पांच और प्रधानमंत्री सीसी रोड निर्माण से जुड़े चार प्रकरण सूची में हैं। मनरेगा की पशुपालन योजना के तीन मामले दर्ज किए गए, जबकि मनरेगा समग्र शिक्षा अभियान के तहत बाउंड्रीवॉल निर्माण और शौचालय रिपेयरिंग से जुड़े मामलों की संख्या क्रमशः एक और दो है।

प्रधानमंत्री सोलर पैन्ल सब्सिडी योजना से जुड़े दो प्रकरण भी सूची में शामिल हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री सड़क निर्माण, संबल योजना, राज्य मार्ग सड़क निर्माण, ग्रामीण विकास के तहत सीसी रोड निर्माण, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं से जुड़े मामले भी दर्ज किए गए हैं। पंच परमेश्वर योजना में 18 प्रकरण होना जांच का अहम बिंदु है। लोकायुक्त इंदौर के वर्ष 2026 के आंकड़ों के अनुसार कुल 44 अपराध पंजीबद्ध किए गए।

इंदौर में सरकारी बोरिंग पर दबंगों का कब्जा! जलसंकट की आहट से पहले पानी माफिया पर निगम का शिकंजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संकट की आहट सुनाई देने के बाद नगर निगम ने इससे निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। शहर में नगर निगम के छह हजार से ज्यादा बोरिंग हैं। अब नगर निगम इन बोरिंगों की जांच करेगा। दरअसल इस बात की आशंका है कि निगम के इन छह हजार बोरिंगों में से कम से कम 500 बोरिंग ऐसे हैं जिन पर किसी न किसी प्रभावी व्यक्ति का कब्जा है। ऐसे में इन बोरिंग का लाभ क्षेत्र की जनता को नहीं मिल पा रहा है।

नगर निगम की टीमों ऐसे बोरिंग की जांच के साथ इस बात को भी सुनिश्चित करेगी कि इन बोरिंग का लाभ क्षेत्र की जनता को मिल सके। इसके साथ ही नगर निगम ऐसे निजी बोरिंगों को अधिग्रहित करने की योजना भी बना रहा है जिनका पानी फिलहाल बेचा जा रहा है। निगम ऐसे बोरिंगों को अधिग्रहित कर इनका पानी आमजन के लिए उपलब्ध कराएगा।

सवा लाख से अधिक बोरिंगों पर निर्भर शहर, शासकीय बोरिंगों पर अवैध कब्जे की आशंका- शहर का एक बड़ा हिस्सा आज भी नर्मदा लाइन से वंचित है। इन क्षेत्रों में पानी के लिए बोरिंग ही एक मात्र सहारा है। एक अनुमान के मुताबिक शहर में सवा लाख से ज्यादा बोरिंग हैं। इमें से छह हजार से ज्यादा नगर निगम के हैं। कुछ क्षेत्रों में रहवासियों ने जनसहयोग से पाइप लाइनें भी बिछा रखी है ताकि पानी लोगों के घरों तक पहुंच सके, जबकि कुछ क्षेत्रों में पानी भरने के लिए लोगों को बोरिंग तक आना पड़ता है।

शासकीय बोरिंग के पीछे निगम का उद्देश्य होता है कि रहवासियों को पानी आसानी से उपलब्ध हो सके। इस वर्ष अल्पवर्षा के चलते जलसंकट के आसार बनने लगे हैं। इससे निपटने के लिए निगम ने शासकीय बोरिंग की जांच की तैयारी कर ली है। जोनल स्तर पर टीमें गठित कर जांच की जाएगी। आशंका है कि कुछ क्षेत्रों में प्रभावशाली लोगों ने शासकीय बोरिंग पर कब्जा कर रखा है। इन बोरिंग का लाभ क्षेत्र की जनता को नहीं बल्कि कुछ चुनिंदा परिवारों को ही मिल रहा है।

कम वर्षा से मंडराया संकट, पानी बेचने वाले निजी बोरिंगों को अधिग्रहित करेगा निगम- यह सूचना भी मिली है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में बोरिंग का पानी बेचा जा रहा है। नगर निगम अब ऐसे बोरिंग अधिग्रहित करने की योजना भी बना रहा है ताकि इन बोरिंग से निगम के टैंकर भरे जा सकें। जल संकट से निपटने के लिए हम निगम के बोरिंग की जांच का अभियान शुरू करने जा रहे हैं।

इंदौर के 74 गांवों की बदलेगी तस्वीर, आश्रय निधि से मंजूर हुए 30.19 करोड़, मूलभूत सुविधाओं का होगा विस्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत में कालोनी विकास के लिए वसूल की जाने वाली आश्रय निधि से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस निधि से इंदौर जिले की चार जपद पंचायत इंदौर, सांवेर, महु और देपालपुर के 74 गांवों में 30.19 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इन कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

आश्रम निधि से गांवों में ड्रेनेज व्यवस्था सुधारने से लेकर सामुदायिक सुविधाएं विकसित करने तक के काम किए जाएंगे। इसके तहत सामुदायिक भवन, आदर्श श्मशान घाट, सभागृह, शोकसभा शोड, मुक्तिधाम की बाउंड्रीवाल और शोड निर्माण तथा श्मशान घाटों का सौंदर्यीकरण होगा।



पंचायतों के विकास को गति मिलेगी- इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों के लिए आजीविका भवन और सह-प्रशिक्षण केंद्र, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन शोड, पंचायत भवनों में सौर विद्युतीकरण तथा व्यायामशाला और खेलकूद सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि आश्रय निधि से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और पंचायतों के विकास को गति मिलेगी।

सांवेर की 16 पंचायतों में होंगे कार्य- आश्रय निधि से सांवेर विधानसभा क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों में लगभग 9 करोड़ 62 लाख रुपये के विकास कार्य होंगे। ग्राम ढाबली में 20 लाख रुपये की लागत से ड्रेनेज निर्माण कराया जाएगा।

दीपावली से पहले कॉलोनियों और बस्तियों में पेचवर्क कार्य पूरे करने के निर्देश, लंबित विकास कार्यों में लाएं तेजी

महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने पार्षद निधि से होने वाले विकास कार्यों की वार्डवार समीक्षा की, लापरवाही करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने सोमवार को महापौर सभाकक्ष में जनकार्य विभाग के माध्यम से पार्षद निधि के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में कराए जा रहे विकास कार्यों की वार्डवार समीक्षा की। बैठक में महापौर ने लंबित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने और सभी शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से दीपावली से पहले शहर की कॉलोनियों और बस्तियों में पेचवर्क कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करने तथा रेस्टोरेशन के लंबित कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया।

बैठक में जनकार्य प्रभारी राजेन्द्र राठौर, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षदगण, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।



महापौर ने पार्षद निधि के अंतर्गत जनकार्य विभाग द्वारा विभिन्न वार्डों में एक करोड़ रुपये से अधिक लागत से कराए जा रहे विकास कार्यों की संबंधित क्षेत्रीय पार्षदों के साथ विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान पूर्ण हो चुके, प्रातिरत और लंबित कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए गए।

महापौर भार्गव ने कहा कि जिन विकास कार्यों के कार्यादेश जारी हो चुके हैं, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है, उन्हें तत्काल प्रारंभ कराया जाए। शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तय समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए, जो कार्यादेश जारी होने के बावजूद काम शुरू नहीं कर रहे हैं या काम शुरू करने के बाद बीच में ही अधूरा छोड़कर चले गए हैं।

महापौर ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर की विभिन्न कॉलोनियों और बस्तियों में आवश्यकतानुसार पेचवर्क कार्य दीपावली से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत और आवश्यक सुधार कार्य समय पर किए जाएं, ताकि त्योहार के दौरान नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसके साथ ही, जिन क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, वहां सड़कों और अन्य प्रभावित स्थलों के रेस्टोरेशन से जुड़े शेष कार्य भी शीघ्र पूरे करने को कहा गया। महापौर ने अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा का पालन कराने के निर्देश दिए।

महापौर ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की जरूरतों से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और लंबित कार्यों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहरवासियों को बेहतर सड़कें और आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

3500 बेटियों ने मिलकर उकेरी मां की ममता, रंगोली में जीवंत हुआ मां-बच्चे का वात्सल्य

बच्चे को दुलारती माँ की बनाई आकर्षक मानव रंगोली, दिया मातृशक्ति के सशक्तिकरण का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमतौर पर रंगोली रंगों से सजती है, लेकिन झाबुआ में नजारा कुछ ऐसा था कि रंगों की जगह इंसान ही रंग बन गए। करीब 3500 स्कूली छात्राओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मिलकर मां की गोद में दुलार पाते बच्चे की ऐसी आकर्षक मानव रंगोली रची कि मातृत्व का भाव मैदान में साकार हो उठा। पीजी कॉलेज ग्राउंड में सजी इस अनूठी रंगोली ने देखने वालों को चौंकाया भी और मां-बच्चों के रिश्ते की आत्मीयता का अहसास भी कराया। 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग' कार्यक्रम के तहत आयोजित इस सामूहिक प्रस्तुति का संदेश स्पष्ट था—मां सशक्त होगी, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत बनेगा।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में 'सशक्त मां-सशक्त भारत' की थीम पर हजारों प्रतिभागियों ने एक साथ निर्धारित अकार में बैठकर मां और बच्चे की आकृति बनाई। इतने बड़े समूह का एक साथ, एक ही डिजाइन में ढलना अपने आप में आकर्षण का केंद्र रहा। जनजातीय बहुल झाबुआ में यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, सामूहिक एकता और जनभागीदारी की प्रभावशाली मिसाल बना।

सशक्त मां ही सशक्त राष्ट्र की नींव - मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया- महिला एवं बाल विकास मंत्री



सुश्री निर्मला भूरिया ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि मानव रंगोली के लिए चयनित प्रदेश के छह जिलों में झाबुआ का शामिल होना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि मां परिवार की आधारशिला है। शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक मां बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

3500 प्रतिभागिता का तालमेल बना आयोजन की असली ताकत- कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने छात्राओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि इसी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की मदद मानव रंगोली बनाना अनुशासन, टीमवर्क और

बेहतर समन्वय का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दर्शाता है कि सामूहिक सहभागिता से बड़े उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

मानव रंगोली की डिजाइन पीटीआई श्री अमजद खान ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री मोनिका बघेल के मार्गदर्शन में तैयार की। डीपीओ सुश्री बघेल ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूली छात्राओं के अलावा कॉलेज और छात्रावास की 3500 छात्राओं ने 2 घंटे के अथक व संयमित होकर आकृति बनाने में सहयोगी रही।

कला से आगे बढ़कर मातृत्व और महिला सशक्तिकरण का संदेश- कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि महिला सशक्तिकरण केवल नारों तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आत्मनिर्भरता से जुड़ा विषय है। हजारों प्रतिभागियों से बनी मां-बच्चे की आकृति ने मातृत्व के सम्मान और सामूहिक जिम्मेदारी को प्रतीकात्मक रूप से सामने रखा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री भानु भूरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री मधेश मंडलोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंदौर के पास तैयार हो रहा वीकेंड पिकनिक और जंगल कैपिंग डैस्टिनेशन



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से 20 किमी दूर स्थित कालाकुंड अपनी प्राकृतिक वादियों और शांत आदिवासी गांव अपनी अनोखी मिठाई कलाकंद के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही यह वीकेंड पिकनिक और जंगल कैपिंग डैस्टिनेशन के लिए पर्याप्त विशेषता वाले आदर्श पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित हो रहा है। घने और वन औषधियों से भरे जंगल को बचाते हुए यहां एमपीआरआरडीए द्वारा लगभग 10 किमी की सड़क का काम पूरा किया जा चुका है। यहां की सौंदर्य को निखारने वाले नदी पर ब्रिज नहीं बनने से पहाड़ी नदी के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इस कारण यहां पर्यटक आने से बचते हैं। महाप्रबंधक श्री लोकेन्द्र मंडलोई ने बताया कि वन औषधियों से भरपूर इस क्षेत्र के घने जंगल को बचाते हुए सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2024 में पूरा हुआ। 30 मई को इसी गांव में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने रात्रि चौपाल लगाई थी। इस दौरान ग्रामीणों की पहली सबसे अहम मांग ब्रिज निर्माण की थी। इस मांग को पूरा करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। अब इसी वर्ष यहां ब्रिज का निर्माण प्रारंभ करने की स्थिति तक पहुंच गए हैं।

पर्यटकों के लिए हैरिटेज ट्रेन के अलावा सड़क मार्ग भी होगा विकल्प- विध्यांचल पर्वत श्रेणी की पहाड़ियों के बीच बसे 7 से अधिक आदिवासी गांवों में 20 से अधिक होम स्टे बने हुए हैं। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक ग्रामीण परिवेश की जीवन चर्चा का आनंद की अनुभूति का अहसास करने पहुंचते हैं। यहां के लिए पातालपानी से हैरिटेज ट्रेन से पर्यटक तो आते ही हैं, लेकिन जो अपने निजी चार पहिया वो दो पहिया वाहन से ब्रिज नहीं होने से बारिश में पहुंच नहीं पाते। इसके अलावा ग्रामीण आदिवासियों का बारिश में शहर से संपर्क कट जाता है। ऐसे के ब्रिज बनने से बड़ी आबादी भी इस विकल्प का उपयोग कर पाएंगे।

गाय और पौष्टिक के दूध बनी कलाकंद विशेष आकर्षण- कालाकुंड गांव के कई गाय और भैंस पशुपालक कलाकंद बनाने में जुटे हैं। गाय और भैंस के शुद्ध दूध व कम शक्कर से पारंपरिक तरीके बनने वाली दानेदार कलाकंद मुंह में घुल जाने वाली मिठाई है। इस गांव को आदर्श पर्यटन ग्राम बनाने की दिशा में शासन प्रशासन द्वारा लंबे प्रयास से किए जा रहे हैं। घने जंगल और वनौषधियों को बचाते हुए, यहां बारह मासी सड़क का निर्माण कर लिया गया है।

आंगनवाड़ियों, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और राशन दुकानों तक ग्रामीणों की पहुंच होगी आसान - 4 ब्रिज बनने से यहां पहाड़ियों में बसे 8 गांवों के ग्रामीणों की पहुंच स्वास्थ्य केंद्र के अलावा स्कूल, आंगनवाड़ियों और राशन दुकानों तक पहुंच सुगमता से हो सकेगी। पहाड़ी नदी चोरल कभी भी बारिश होने मार्ग अवरुद्ध कर देती है। इससे हर समय आवागमन बाधित होता रहा है। यहाँ एक संभागीय स्काउट गाइड का कैपिंग केंद्र भी बना है। जिसका समुचित उपयोग भी संभावित है। विभाग के महाप्रबंधक श्री मंडलोई ने बताया कि 4 ब्रिजों के निर्माण के लिए निविदाओं की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इसी वर्ष निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।

सीएम हेल्पलाइन : राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा शिकायत, सीएमओ को नोटिस जारी

एसडीएम तथा राजस्व अधिकारी अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार करें, अवैध कॉलोनी दो प्रकरण लोकायुक्त पहुंचाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सोमवार को हुई। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के निराकरण को अधिकारी गंभीरता से लें, खासतौर पर 50 दिनों से लंबित शिकायतों पर फोकस करें। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि राजस्व विभाग में बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित हैं, सभी राजस्व अधिकारी गंभीरता से ध्यान दें। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा सीएम हेल्पलाइन निराकरण के लिए देने के निर्देश दिए। सीतामऊ, गरोठ तथा मल्हारगढ़ तहसीलदारों की शिकायतें अधिक संख्या में लंबित पाई गई हैं, उक्त तहसीलदारों को जानकारी के साथ आगली समय-सीमा बैठक में स्वयं उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। मंदसौर नगरपालिका में भी लगभग 700 शिकायतें लंबित पाई गईं, कलेक्टर द्वारा नगरपालिका अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश



दिए गए। बैठक में कलेक्टर द्वारा जिले में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए। अवैध शराब के विरुद्ध एसडीएम सीतामऊ सुश्री शिवानी गर्ग द्वारा की गई कार्रवाई की कलेक्टर द्वारा सराहना की गई। कलेक्टर द्वारा सभी एसडीएम, तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि अवैध कॉलोनियों के संबंध में किसी प्रकार की शिकायत नहीं आना चाहिए। प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई की जाए। अवैध कॉलोनी का निर्माण न हो, यह सुनिश्चित करें, जहां भी

अवैध कॉलोनी के निर्माण किए जाते हैं वहां प्रारंभ से ही कार्रवाई कर दी जाए। कलेक्टर ने बताया कि प्रशासन द्वारा अवैध कॉलोनी संबंधी दो प्रकरणों को लोकायुक्त को भिजवाया गया है, इस मामले में जिला प्रशासन सख्ती से कार्य कर रहा है।

बैठक में कलेक्टर द्वारा जिले में शासन के महत्वपूर्ण स्वामित्व अभियान के क्रियाव्ययन की समीक्षा की गई। इस दिशा में भानपुरा, गरोठ तथा ददोदा में अच्छा कार्य होने पर संबंधित तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों की सराहना की गई। कलेक्टर ने कहा कि मंदसौर जिले को प्रदेश में सर्वाधिक लक्ष्य मिला है, परंतु हमें मंदसौर जिले को प्रदेश में अव्वल स्थान पर लाना है। इसके अलावा स्कूल बसें की फिटनेस चेक की जाए। बताया गया कि शिक्षा विभाग द्वारा उनके 380 भवनों को जर्जर

घोषित करने हेतु जांच करवाकर प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग को प्रेषित किया गया है, जिनमें से लोक निर्माण विभाग द्वारा 324 भवनों को अनफिट घोषित किया जा चुका है, 102 भवन ध्वस्त किए जा चुके हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायतों के अंतर्गत 375 भवनों को ध्वस्त करने की स्वीकृति लोक निर्माण विभाग द्वारा मिली है। इसके अलावा स्वास्थ्य, कृषि तथा अन्य विभागों के भी भवन हैं, जिनको ध्वस्त किया जाना है। विभागों द्वारा लोक निर्माण विभाग से जांच करवाकर भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गांधी सागर में ओवरलॉडिंग नहीं हो के भी निर्देश दिये गए। कलेक्टर द्वारा सभी एसडीएम तथा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार संचालित की जाए। कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्व अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण संबंधी कार्रवाई की रिपोर्टिंग नहीं की जा रही है। बैठक में कलेक्टर दिव्यांक सिंह द्वारा शहर में बाल भिक्षावृत्ति पर नियंत्रण के संबंध में महिला बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया। जिले की जल संरचनाओं को वेटलैंड घोषित करने की कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई।

तिरंगा थाम मंदसौर की सड़कों पर उतरी कांग्रेस, वोट चोरी के विरोध में निकला मार्च

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आह्वान पर लोकतंत्र की रक्षा और वोट चोरी के विरोध में सोमवार को कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता तिरंगा ह्थों में लेकर सड़कों पर उतरे।

विधायक कार्यालय से शुरू हुआ विरोध मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के समर्थन में जमकर नारेबाजी की गई। विधायक विपिन जैन के कार्यालय से शुरू हुआ मार्च बीपीएल चौराहा, गोल चौराहा और नई आबादी होते हुए पुनः विधायक कार्यालय पहुंचा। पूरे



मार्ग में कार्यकर्ता ह्थों में तिरंगा लेकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष चुनावों को लेकर आवाज बुलंद करते मजूर आए। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। वोट की पारदर्शिता और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवाल का समाधान

होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संविधान की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। मार्च के दौरान पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, मो.हनीफ शेख, विनोद शर्मा, विकास दशोरा, खलील शेख, सुरेंद्र कुमावत, राजेश सोलंकी, आसिफ छिया, श्याम गुगर, युनुस मेव, आदित्य पाटील, दिलीप देवड़ा, कमलेश सोनी, शैलेंद्र गोस्वामी, सुदीप पाटिल, महिलाओं में रफत पयामी, इश्र भाचावत, राखी सत्रावाला, अनीता भदोरीया, सुनीता बंडी, नम्रता सत्रावाला, योगिता बैरागी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

संदीपसिंह राठौड़, उज्जैन दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिंपलिया मण्डी निवासी संदीप सिंह राठौड़ को उज्जैन दूरसंचार सलाहकार समिति (टीएससी) का सदस्य मनोनीत किया गया है। दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की स्वीकृति के बाद भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की ओर से इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी किया गया है।

उनका मनोनयन 13 जुलाई 2027 तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। दूरसंचार सलाहकार समिति का उद्देश्य दूरसंचार सेवाओं से जुड़े विषयों पर सुझाव देना और सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपभोक्ताओं की समस्याओं से संबंधित मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखना है।

समय-सीमा बैठक में धान पंजीयन तथा सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक संपन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा बैठक में धान पंजीयन के सत्यापन, राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों, प्रसूति सहायता, एम्बुलेंस सेवाओं तथा निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर श्री रविशंकर राय एवं श्री अखिलेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में पंजीकृत किसानों का निर्धारित मापदंडों के अनुसार सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में करीब सात हजार अधिक पंजीयन हुए हैं। सिकमी पंजीयन, पहली बार पंजीयन कराने वाले किसानों, पांच हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले किसानों, नए खसराओं और संयुक्त खातों से संबंधित प्रकरणों की विशेष जांच करने को कहा। उन्हें खेतों की वास्तविक स्थिति और सैटेलाइट से प्राप्त जानकारी में अंतर मिलने पर मौके पर जाकर सत्यापन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नामांतरण सहित सभी राजस्व प्रकरण राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली



ऑफसीजन सिलेंडर, चिकित्सा उपकरण, चिकित्सक एवं तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता और निर्धारित मानकों की जांच करने को कहा। शहर के भीतर तथा नागपुर सहित अन्य शहरों तक मरीजों को ले जाने की दरों और 108 एम्बुलेंस के नियमों एवं शुल्क संबंधी प्रावधानों की जानकारी एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

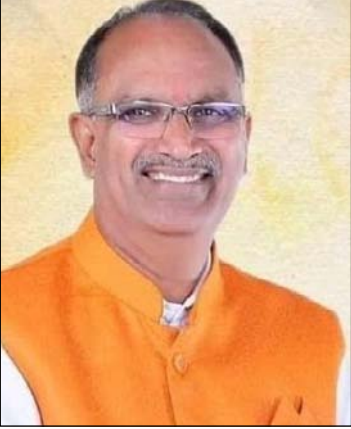
कलेक्टर ने 50 और 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्हें बजट एवं दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण करने, लंबित शिकायतों के जवाब दर्ज करने तथा विभागीय रैंकिंग में सुधार के निर्देश दिए। सहायता एवं री-प्रोसेस के लिए लंबित आवेदनों का भी समय-सीमा में निराकरण करने को कहा।

स्कूल शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, सामाजिक न्याय, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी, पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की रैंकिंग की समीक्षा कर लंबित शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

रोजड़ों से फसल बचाने दक्षिण अफीकी विशेषज्ञों की मदद लेने की मांग, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने सीएम को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेतों में खड़ी फसलों को रोजड़ों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में दक्षिण अफीकी विशेषज्ञों की मदद से रोजड़ों को पकड़ने का प्रयोग कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के किसान रोजड़ों से परेशान हैं और फसलों को बचाने के लिए प्रभावी उपाय जरूरी है।

मुख्यमंत्री को कलेक्टर के माध्यम से भेजे पत्र में सिसौदिया ने उज्जैन, शाजापुर और कालापीपल क्षेत्र में वन्य प्राणियों को पकड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि शासन के प्रयासों से कजवंशन सॉल्यूशंस साउथ अफ्रीका की 15 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम हेलीकॉप्टर और धबधबा पद्धति की मदद से वन्य प्राणियों को पकड़ने का



है। यदि यह पद्धति रोजड़ों को पकड़ने में कारगर साबित हो रही है, तो किसान हित में इसका उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में इस विशेषज्ञ टीम को परीक्षण के लिए आमंत्रित करने और प्रक्रिया शुरू करने की स्वीकृति देने का आग्रह किया है।

बाइक ड्रिवाइडर से टकराकर रेतम नदी में गिरी, 16 वर्षीय अयान की डूबने से मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर-नीमच जिले की सीमा पर रेतम नदी के समीप दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक पर सवार दो 16 वर्षीय बालक हादसे का शिकार हो गए। टर्न पर बाइक ड्रिवाइडर से टकराकर नदी में जा गिरी। हादसे में एक बालक नदी में गिर गया, जबकि दूसरा नदी के किनारे जा गिरा। घटना में कनघड़ी निवासी अयान पिता आशिक हुसेन की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों का री-रैक्टर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार पिंपलियामंडी थाना क्षेत्र के गांव कनघड़ी निवासी गौरी बस संचालक आशिक हुसेन की 16

वर्षीय पुत्र अयान और पूनमचंद धोबी का 16 वर्षीय पुत्र सुनील बाइक से उगारन की ओर से अपने गांव कनघड़ी लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में टर्न पर बाइक अनियंत्रित होकर ड्रिवाइडर से टकरा गई और नदी में जा गिरी। हादसे में अयान नदी में गिर गया, जबकि सुनील नदी के किनारे जा गिरा। बताया जा रहा है कि बाइक सुनील चला रहा था। घटना के बाद मौके पर कुछ लोग एकत्रित हो गए, लेकिन शुरुआत में किसी को पता नहीं चल पाया कि अयान नदी में गिर गया है। कुछ देर बाद जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो नदी में उसकी तलाश शुरू की गई। इस दौरान

कनघड़ी चौकीदार शौकत मंसूरी सहित ग्रामीणों ने अयान को नदी से बाहर निकाला। परिजन उसे तत्काल जीवन अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से उसे नीमच ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाला अयान कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत था। उसके परिवार में एक छोटा भाई रियान व जिशान है। पिंपलियामंडी थाना प्रभारी विक्रमसिंह इबने ने बताया कि मृतक पिंपलियामंडी थाना क्षेत्र का निवासी है, लेकिन हादसा कनघड़ी और उगारन के बीच हुआ है, जो नीमच जिले के क्षेत्र में आता है। मामले की जांच नीमच जिला पुलिस करेगी।

माता-पिता भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम के मामलों में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने दिये महत्वपूर्ण निर्णय

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के अंतर्गत कलेक्टर न्यायालय में दायर अपील के दो अलग-अलग प्रकरण में आदेश पारित कर एक में जहां बुजुर्ग पिता की संपत्ति पर कब्जा करने वाले बेटे को बेदखल करने का निर्णय दिया है, वहीं दूसरे प्रकरण में बहु को 87 वर्षीय ससुर का मकान एक माह में खाली करने का फैसला सुनाया है।

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम के



तहत कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने 70 वर्षीय बुजुर्ग पिता की अपील स्वीकार करते हुए उनके 50 वर्षीय पुत्र को बेलबाग स्थित मकान व दुकान से एक माह के भीतर कब्जा खाली करने का आदेश दिया है। इसके साथ

ही उन्होंने एसडीएम रांडी द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश को निरस्त कर दिया गया है। मदन महल निवासी 70 वर्षीय बसंत कुमार रामचंदानी ने कलेक्टर न्यायालय में अपनी अपील में बताया था कि बेलबाग मेन रोड स्थित 1050 वर्गफुट का दो मंजिला मकान (जिसमें दुकानें भी शामिल हैं) उन्होंने वर्ष 1983 में अपनी कमाई से खरीदा था। वर्ष 2016 में उन्होंने अपने पुत्र सुनील कुमार रामचंदानी के पक्ष में इस संपत्ति की एक वसीयत पंजीकृत कराई थी। अपील में बुजुर्ग का आरोप था कि मकान व दुकान से एक माह के भीतर कब्जा खाली करने का आदेश दिया है। इसके साथ

प्रताड़ित किया जाने लगा और उन्हें उनके ही घर से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2025 में उक्त वसीयत को विधिवत निरस्त करा दिया था। पिता के अनुसार, पुत्र संपत्ति पर कब्जा जमाए बैठा रहा और खुद के दो आलीशान मकान खेरमाई मंदिर के सामने कृपाल चौक गुप्तेश्वर वार्ड में तथा मदन महल रोड महानद्वा में होने के बावजूद पिता को दर-दर सुनील कुमार रामचंदानी के पक्ष में इस संपत्ति पर मजबूर कर दिया। इनमें से कृपाल चौक स्थित मकान से पुत्र को 80 हजार रुपये मासिक किराया प्राप्त होता है, वहीं महानद्वा स्थित बंगले में वह परिवार सहित ऐशो-आराम का जीवन व्यतीत कर

रहा है।

इससे पहले बुजुर्ग पिता ने एसडीएम रांडी के समक्ष बेदखली का आवेदन दिया था। एसडीएम न्यायालय ने 22 अप्रैल 2026 को आदेश देते हुए कहा था कि यह विवाद संपत्ति को लेकर है और भरण-पोषण का मामला नहीं बनता-अतः पुत्र को केवल यह निर्देश दिया गया कि वह पिता से वाद-विवाद न करे और उन्हें शांतिपूर्वक रहने दे। मकान खाली करने को लेकर कोई स्पष्ट आदेश न होने के कारण व्यथित पिता ने वरिष्ठ नागरिक अधिनियम की धारा 16 के तहत कलेक्टर न्यायालय में अपील दायर की थी।

एमडी ड्रस व डोडाचूरा के साथ दो नाबालिग पकड़े, सप्लाय करने वाले दो आरोपी भी नामजद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने डिगांव-कचनारा मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दो नाबालिग बालकों को पकड़ा है। इनके कब्जे से 230 ग्राम एमडी पाउडर और 3 किलो 500 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। पुलिस ने मामले में नशीले पदार्थ उपलब्ध कराने के आरोप में दो अन्य युवकों को भी नामजद किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों नाबालिग मादक पदार्थ लेकर झालावाड़, राजस्थान की ओर जा रहे थे। हालांकि, नशीला पदार्थ किस व्यक्ति को सौंपना था, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। नाहरगढ़ टीआई वरुण तिवारी ने बताया 10 अक्टूबर को सहायक उपनिरीक्षक दशरथ कुमार माली को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक सुपर स्लेंडर बाइक पर अवैध एमडी पाउडर और डोडाचूरा लेकर डिगांव-कचनारा मार्ग से राजस्थान की ओर जाने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम फतेहगढ़ के सामने बालाजी मंदिर के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए का युवक बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस के पास कट्टे में भरा साढ़े तीन किलो डोडाचूरा तथा पेट की जेब में रखी थैली से 230 ग्राम एमडी पाउडर बरामद हुई। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 8/22 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि मादक पदार्थों की सप्लाय के मामले में प्रतापगढ़ राजस्थान निवासी प्रतीक पिता प्रकाश लबाना और अखेपुर निवासी हैदर लाला की भूमिका सामने आई है। पुलिस ने दोनों को भी मामले में आरोपी बनाया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए बालकों में एक अखेपुर और दूसरा बसेरा क्षेत्र का निवासी है। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें बाल सप्रेक्षण गृह रतलाम भेजने के आदेश हुए। नाहरगढ़ थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने बताया कि मामले में नामजद दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उनसे पूछताछ और आगे की जांच के बाद नशीला पदार्थ झालावाड़ में किसे दिया जाना था, इस संबंध में जानकारी मिलने की संभावना है।

गैस सिलेंडर में रिसाव से चचेरे भाई-बहिन झुलसे, जिला अस्पताल में दो घंटे तक उपचार के लिए तड़पते रहे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिंपलिया थाना क्षेत्र के गांव नेनोरा में गैस सिलेंडर में रिसाव से लगी आग में चचेरे भाई-बहिन गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन दोनों को लेकर पहले पिंपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां से उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। आरोप है कि जिला अस्पताल पहुंचने के बाद भी कचरा दो घंटे तक दोनों का उपचार शुरू नहीं हो सका। मरीजों की स्थिति और उपचार में देरी की जानकारी मिलने पर किसान नेता श्यामलाल जोकचंद अस्पताल पहुंचे और व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई। इसके बाद दोनों को प्राथमिक उपचार देकर उडयपुर रेफर किया गया। हादसे में गीताबाई करीब 55 प्रतिशत और नागेश लगभग 40 प्रतिशत झुलसने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 3 बजे नए गैस सिलेंडर पर रेगुलेटर लगाया था। बताया जा रहा है कि सिलेंडर की रिंग में समस्या के कारण गैस का रिसाव होता रहा।

सम्पादकीय महाराष्ट्र की राजनीति में फायदेमंद साबित हो रहा सूखा

महाराष्ट्र में अगर कुछ हफ्तों तक बारिश नहीं हुई, तो रबी की फसल भी बरबाद हो जाएगी, और खरीफ के मौसम में 18 फीसदी से अधिक बारिश में कमी के बाद प्रदेश एक बड़े संकट के कगार पर पहुंच सकता है। राज्य का 75 फीसदी हिस्सा आधिकारिक तौर पर सूखे की चपेट में है। राज्य में 82 फीसदी कृषि वर्षा पर निर्भर है, जबकि केवल 18 फीसदी क्षेत्र सिंचित है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले महीने कहा था, ‘हम भीषण सूखे का सामना कर रहे हैं, जो 1972 से भी बदतर हो सकता है।’ राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पिछले महीने नागपुर में श्रमिकों को आगह किया था- ‘जैसे-जैसे सूखा बढ़ेगा, महाराष्ट्र पर एक बड़ा संकट आएगा। यह वाकई महामारी के दौर से भी बड़ा होगा। पानी और चारे की कमी होगी। खरीफ और रबी की फसलें बरबाद हो जाएंगी। सभी फसलों को नुकसान होगा।’ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने इस आशंका को दोहराते हुए कहा, ‘इस साल का सूखा 1972 के सूखे से भी बदतर हो सकता है।’

अब सवाल यह है कि सूखे के समय राजनीति का क्या हाल होता है? आमतौर पर, इससे सत्ताधारी पार्टी को फायदा ही होता है। पवार का उदाहरण ही लीजिए। करियर में तरकी के लिहाज से 1972 उनके लिए बिल्कुल भी बुरा नहीं था। वह पहली बार बारामती से विधायक बने और 32 साल की उम्र में वसंतराव नाइक सरकार में गृह एवं सामान्य प्रशासन मंत्री बने। उन्हें महाराष्ट्र के वास्ते अनाज जुटाने के लिए दूसरे राज्यों में भेजा गया (उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि उत्तर प्रदेश में उनका स्वागत ठंडा रहा क्योंकि उन्होंने वहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी के पैर नहीं छुए थे), लेकिन कई अन्य सरकारों ने महाराष्ट्र की मदद की। इसी से उनकी लोकप्रियता बढ़ी।

वर्ष 1972 का सूखा भारत को सूखे और खाद्य संकट से निपटने का तरीका सिखाने में भी महत्वपूर्ण साबित हुआ। महाराष्ट्र ने 1969 में रोजगार गारंटी योजना शुरू की। ऐसा करने वाला वह भारत का पहला राज्य था। अर्थशास्त्री ज्यां ट्रेज के शोध से पता चलता है कि सबसे गरीब वर्ग-कृषि क्षेत्र के भूमिहीन मजदूर- जो हमेशा अकाल से सबसे ज्यादा प्रभावित होते थे, राज्य के इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित महसूस करने लगे।

रोजगार गारंटी योजना ने इस वर्ग को आय का एक स्थिर स्रोत प्रदान किया और मजबूत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ मिलकर राज्य में ऐसी तबाही को रोका जैसी बिहार जैसे राज्यों को झेलनी पड़ी थी। यह सच है कि काम की गुणवत्ता और कम मेहनताना, उपभोग की गुणवत्ता और संघर्षरत ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नकदी की वजह से उपभोग अचानक बढ़ जाने का अपना प्रभाव था। लेकिन जैसा कि अर्थशास्त्री इलिजाबेथ ऑट्टन ने अपने शोध में पाया, कुछ भूमिहीन खेतिहर मजदूर परिवारों ने सूखे का ‘आनंद’ लिया क्योंकि इससे उन्हें काम मिलने की गारंटी मिलती थी।

इसके बाद और भी नीतिगत सुधार हुए। हालांकि पवार एक कनिष्ठ मंत्री थे, फिर भी उन्होंने एक जिले से दूसरे जिले में चारा लाने-ले जाने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर दिया। बहुत बाद में, पृथ्वीराज चव्हाण सरकार (2009) के दौरान नालों पर बने चेक डैम (छोटे रोक बांध) का निर्माण हुआ, गैर-सरकारी संगठनों द्वारा संचालित पशु शिविर स्थापित किए गए और अंततः 2026 की सूखा प्रबंधन संहिता लागू हुई। इस संहिता में सूखे की परिभाषा सख्ती से तय की गई है, लेकिन इस्का क्रियाव्यवन उतना सख्त नहीं है। महाबलेश्वर भारत के सबसे अधिक वर्षा वाले शहरों में से एक है। फिर भी यह सूखाग्रस्त तालुकों की सूची में शामिल है और इसलिए सूखा राहत के लिए पात्र है। ऐसा कैसे हो सकता है?

हालांकि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ठाणे विधान सभा क्षेत्र से हैं, लेकिन वह महाबलेश्वर तालुका से ही आते हैं। अगर हर किसान को, उदाहरण के लिए प्रति हेक्टेयर लगभग 1 लाख रुपये की सूखा राहत और अन्य लाभ मिलते हैं, तो महाबलेश्वर के किसानों को भी मिलेंगे। इसके विपरीत, काला (कोल्हापुर जिले में विधायक हसन मुशरफ), शिरडी (अहमदनगर जिले में विधायक राधाकांत विखे पाटिल) और दिंडोरी (नाशिक में विधायक नरहरि झिरवाल), अन्य तालुकों के साथ, सूची में शामिल नहीं हैं, जबकि तीनों ही गंभीर जल संकट और फसल खराब होने की समस्या से जूझ रहे हैं। ये तीनों व्यक्ति सत्ताधारी गठबंधन की पार्टियों से हैं और इस बात से नाराज हैं कि उनके क्षेत्र सूखा राहत के लिए पात्र नहीं होंगे। सूखे के दौर में सत्ता, संरक्षण और धन ही राजनीति को हवा देते हैं और सत्ताधारी पार्टी इन सब पर नियंत्रण रखती है। जलवायु परिवर्तन कार्याचारों चाहे जितना भी अल नीनो का शोर मचा लें, सच्चाई यही है कि महाराष्ट्र में फिलहाल कोई भी फडणवीस और शिंदे के बीच ‘मतभेदों’ की बात नहीं कर रहा है। इसके बजाय, लोग अपने निर्वाचन क्षेत्र को सूखा राहत सूची में शामिल कराने के लिए होड़ मचा रहे हैं।

मणिपुर चक्र: श्री लक्ष्मी-नारायण की शक्ति, समृद्धि और धर्म की स्थापना का केंद्र



नवरात्रि भारतीय सनातन संस्कृति में शक्ति की उपसना का विशेष पर्व है। यह पर्व केवल देवी के विभिन्न स्वरूपों की आराधना तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति और आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का भी अवसर प्रदान करता है। सनातन दर्शन के अनुसार, संपूर्ण ब्रह्मांड ब्रह्म शक्ति से निर्मित है और अंततः उसी में विलीन हो जाता है। यही दिव्य शक्ति प्रत्येक मनुष्य में कुंडलिनी शक्ति के रूप में विद्यमान है। नवरात्रि के नौ दिन इस आंतरिक शक्ति की जागृति और आध्यात्मिक विकास की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र घुसीोपित है, जिसके कारण इन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। स्वर्ण के समान तेजस्वी आभा और सिंह की चवारी वाली मां चंद्रघंटा साहस, शक्ति और शक्ति की प्रतीक हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से इनकी आराधना मणिपुर चक्र से संबंधित मानी जाती है।

मणिपुर चक्र- समृद्धि के साथ धर्म का संतुलन- मणिपुर चक्र को नाभि चक्र भी कहा जाता है। सहजयोग की संस्थापिका श्री माताजी मिर्मला देवी के अनुसार, यह चक्र श्री लक्ष्मी-नारायण के तत्व से जुड़ा है, जो मनुष्य में धर्मपरायणता, संतुलन और आध्यात्मिक विकास को पोषित करता है। यह चक्र हमें सांसारिक जीवन में समृद्धि प्राप्त करने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और सदाचरण का महत्व भी समझाता है।

श्री माताजी ने लक्ष्मी तत्व की व्याख्या करते हुए कमल को उदारता, सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक बताया है। जिस प्रकार कमल अपने भीतर छोटे से धंरे को भी आश्रय देकर उसकी रक्षा करता है, उसी प्रकार धन और समृद्धि प्राप्त करने वाले व्यक्ति में भी उदारता, करुणा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए। वास्तविक समृद्धि वही है, जो दूसरों के कल्याण और सुख को भी सहभागी बने।

नाभि चक्र के तीन प्रमुख भाग होते हैं-बायां, दायां और मध्य। ये क्रमशः गृह लक्ष्मी, राज लक्ष्मी अथवा गज लक्ष्मी और श्री लक्ष्मी के तत्वों से संबंधित हैं। इस चक्र का मध्य भाग महालक्ष्मी तत्व की आध्यात्मिक उन्नति से भी जुड़ा है। श्री विष्णु का तत्व मनुष्य के धर्म, नैतिक आचरण और आध्यात्मिक विकास का संरक्षण करता है।

सहजयोग ध्यान से लक्ष्मी तत्व की सहज जागृति- मणिपुर चक्र में महालक्ष्मी तत्व की जागृति के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना और सहजयोग ध्यान का अभ्यास एक स्वयं लक्ष्य के माध्यम से है। इस नवरात्रि मां चंद्रघंटा की आराधना के साथ स्वर्ण के भीतर शांति, संतुलन, उदारता और धर्मपरायणता विकसित करने का संकल्प लें।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक समाज का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनआंदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

सरकार का रियल्टी चैक

हिमाचल सरकार ने कमोवेश अपने चौथे वर्ष में पहुंचकर यह साबित करना शुरू किया है कि कामकाज का तरीका कहां अलग रहा और कहां संभव हुआ। व्यवस्था परिवर्तन, विकास, कर्मचारी मुद्दे तथा सरकार की प्राथमिकताएं अब गणना के चौबारे पर जो कहर रही हैं, उसे सुना जाएगा। व्यवस्था के बीच राजस्व की तैयारी में जिस तरह इंकाल की मुश्मिल चली, उसका श्रेय मिलना चाहिए। बड़े अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी और अन्य उपकरणों का पहुंचना भी सुखद संदेश है, तो अब इलेक्ट्रिक बसें के जरिए नए परिवहन की दखल अनुभव की जा सकती है। हिमाचल को ग्रीन राज्य की श्रेणी में तयदीक करते इरादे अगर पन्द्रह सौ और इलेक्ट्रिक बसें खरीद रहे हैं, तो इस अभियान की यात्रा में निजी क्षेत्र भी समाधानों की मॉजिल तक साथ दे सकता है। प्रदेश में मल्टीस्टोरी बस स्टैंड, सिटी सेंटर, मिल्क प्लांट तथा कुछ नए पर्यटन परिसरों का निर्माण भी खास चर्चा का विषय है, जबकि उच्चतर शिक्षा व स्वास्थ्य संस्थानों की पैवों में नए प्रयत्न हुए हैं। हमीरपुर में विज्ञान का अलग से कालेज और एम्स स्तर का आयुर्वेद संस्थान नई उम्मीदों को स्थापित करता है। फैसलों की बात करें, तो कुछ शिक्षण संस्थानों का बंद होना अब हिमाचल का स्थिरटी चैक कर गया और जहां हाई कोर्ट ने भी माना कि बिना माकूल छत्र प्रवेश के इनका कोई औचित्य था ही नहीं।

वर्तमान सरकार ने कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल बनाने के उद्देश्य से बनखंडी में वन्य जीव अभयारण्य को विस्तृत परिभाषा दी है, तो कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में आनेवाली सदियों लिख दी। जाहिर तौर पर इस हवाई अड्डे के विस्तार की दिशा में हिमाचल सरकार ने जिस शिफ्ट और योजनाबद्ध तरीके से काम किया है, यह हिमाचल जैसे साधनहीन राज्य के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं। एयरपोर्ट विस्तार के माध्यम से सरकार के कामकाज का नक्शा भी यहां उभरा है, जहां देश के नक्सने पुनर्वर्ष के मानदंड बेहतर हुए हैं। न केवल जमीन की पैमाइश में उपयुक्त हजना तय हुआ, बल्कि किरायेदारों और अवैध कब्जाधाराओं की भी मुआवजा दिया जा रहा है। बहरहाल उत्तर भारत के सफल एयरपोर्ट्स में कांगड़ा हवाई अड्डा भी अपनी गुणात्मक ऊर्जा का प्रदर्शन कर रहा है। सलाहकार समिति की बैठक में अब दिल्ली-चंडीगढ़ उड़ान के साथ जम्मू-श्रीनगर, अहमदाबाद और मुंबई तक उड़ानों की प्रस्तावना हो रही है, तो इन संभावनाओं के अवस में पर्यटन की सभी अभ्योर्ध्वना पर गौर करना होगा। हवाईयात्रा से आने वाला पर्यटक, वोल्चो से आने वाले से भिन्न, तो इन सबसे भिन्न वो भी है जो भीड़ के तरह पुराने व खटारा वाहनों पर झड़े लगा कर कानून-व्यवस्था को दबाव में डाल रहा है।

है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छत्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि किन्हीं सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत

किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैराटग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए सदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आए, चुनौती सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनआंदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर संतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय

विश्व में एकलौती भारतीय उदात्त दृष्टि

मिलता है। अनेक लोग यह मानते हैं कि इस जन्म के शुभ कर्म अगले जन्म को श्रेष्ठ बनाते हैं। यह आस्था भारतीय अस्थात्म का महत्वपूर्ण पक्ष है। किंतु यदि दार्शनिक दृष्टि से विचार करें तो वर्तमान जीवन ही हमारे हाथ में उपलब्ध स्वप्न से बड़ा सत्य है। भविष्य या अगले जन्म की कल्पनाओं में वर्तमान के कर्तव्यों की उपेक्षा करना उचित नहीं कहा जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि हम इसी जीवन को उत्कृष्ट बनाएं, इसी जीवन में मानवता के लिए उपयोगी कार्य करें और समाज के लिए ऐसी विरासत छोड़ जाएं, जो आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करे।

जीवन के उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। कोई आर्थिक समृद्धि चाहता है, कोई राजनीति में प्रसिद्धि, कोई विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धि, कोई साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा या व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है। लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गए साधनों की शुद्धता ही व्यक्ति के चरित्र का वास्तविक परिचय देती है। महात्मा गांधी का यह विचार सदैव स्मरणीय है साध्य जितना पवित्र हो, साधन भी उतने ही पवित्र होने चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन में साहस, संयम, आत्मविश्वास, अनुशासन और तपस्या के साथ आगे बढ़ना चाहिए। असफलता से घबराने के स्थान पर उसे सीख के रूप में स्वीकार करना चाहिए। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे कि सपने वे नहीं होते जो सोते समय आते हैं, सपने वे होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। यही स्वप्न जब कठोर परिश्रम और सकारात्मक चिंतन से जुड़ते हैं, तब वे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

मानवीय संवेदनाएं ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाती हैं। यदि जीवन केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं तक सीमित रह जाए तो उसकी सार्थकता अग्रणी रह जाती है। सच्चा जीवन वही है जो अपने तन, मन और धन का कुछ अंश समाज के वंचित, पीड़ित और असहाय वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर सके। गौतम बुद्ध ने कहा था- हजारों दीपक एक दीपक से जल सकते हैं, फिर भी उस दीपक का प्रकाश कम नहीं होता। ठीक उसी प्रकार दूसरों के जीवन में आशा का प्रकाश फैलाने से हमारा जीवन और अधिक प्रकाशित होता है।

अनेक चिंतकों ने जीवन को रंगमंच की संज्ञा दी है। हम सभी विभिन्न भूमिकाएं निभाते हुए अपने जीवन का अभिनय करते हैं। किंतु इन भूमिकाओं की सफलता हमारे पद, प्रतिष्ठा या वैभव से नहीं, बल्कि हमारी सच्चाई, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठ

प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता।

अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे उपाय हमारे स्वप्न से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी उन्देश प्रसार करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए।

-ललित गर्ग

और मानवीय व्यवहार से निर्धारित होती है। यही गुण व्यक्ति को समाज में स्थायी सम्मान दिलाते हैं।

सफलता और असफलता जीवन के दो अविभाज्य पक्ष हैं। जो व्यक्ति सफलता में विनम्र और असफलता में धैर्यवान रहता है, वही वास्तव में परिपक्व व्यक्तित्व का स्वामी होता है। लोभ, लालच, अहंकार और असीमित इच्छाएँ मनुष्य को भीतर से खोखला बना देती हैं, जबकि संतोष, संयम और नैतिकता उसे आत्मिक समृद्धि प्रदान करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आर्थिक उन्नति का प्रयास छोड़ दिया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि आध्यात्मिक मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। यही संतुलित दृष्टिकोण एक स्वस्थ समाज की निर्माण करता है। जीवन का प्रत्येक क्षण परिवर्तनशील है। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। किंतु परिवर्तन का अर्थ भाग्यवाद नहीं है। भाग्य और कर्म दोनों समानांतर चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं। भाग्य परिस्थितियों दे सकता है, परंतु कर्म उन परिस्थितियों का परिणाम बदलने की क्षमता रखता है। भगवद्गीता का प्रसिद्ध संदेश है कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन,आज भी मनुष्य को निष्काम कर्म की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति कर्म को अपना धर्म मान लेता है और परिणामों की अत्यधिक चिंता से मुक्त होकर कार्य करता है, तब उसके भीतर निराशा की संभावनाएँ स्वतः कम होने लगती हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों से आगे बढ़कर वैश्विक मानवता के हित में सोचने की आदत विकसित करे। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का कुछ अंश समाज के लिए समर्पित कर दे, तो गरीबी, भेदभाव, हिंसा और असमानता जैसी अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। यही ंवसुधैव कुटुम्बकम् का वास्तविक स्वरूप है- जहाँ समस्त मानवता एक परिवार है और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी है। जीवन की सफलता केवल लंबा जीवन जीने में नहीं, बल्कि उपयोगी जीवन जीने में है। यदि हमारा जीवन किसी एक व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके, किसी निराश मन में आशा जगा सके और समाज में सद्भाव, करुणा तथा मानवता के बीज बो सके, तभी हमारा जन्म सार्थक कहा जाएगा। यही भारतीय संस्कृति का संदेश है, यही मानव जीवन का परम उद्देश्य है और यही ंवसुधैव कुटुम्बकम् की सच्ची साधना है।

-संजीव गर्ग

ग्रामीण सहकारी समितियों में बदलाव क्यों जरूरी?

हमारे पास ग्रामीण प्राथमिक सहकारी समितियों की संख्या का स्पष्ट अनुमान नहीं है। दरअसल, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने देश में ऋा और गैर-ऋा सहकारी समितियों के आंकड़े एकत्र करना और प्रकाशित करना बंद कर दिया। अपने शीर्ष स्तर पर हमारे पास संभवतः 1,00,000 से अधिक प्राथमिक सहकारी समितियां थीं जो ऋा वितरण का काम करती थीं। उनमें से संभवतः 60 फीसदी सक्रिय थीं। यह मान लेना ठीक हो सकता है कि आज 40,000 से 50,000 प्राथमिक सहकारी समितियां सक्रिय हैं।

ग्रामीण सहकारी समितियों की समस्या यह है कि वे बहुत कमजोर होती हैं और आसानी से विफल हो जाती हैं। उन्हें ऐतिहासिक रूप से 'ऋा' सहकारी समितियों के रूप में बनाया गया है। इसका अर्थ है कि वे ज्यादातर ऋा देने का कार्य करती हैं। इनकी संचालन के ढांचे के अंतर्गत जो सदस्य हैं, वे भी उधार लेने वाले हैं। ऐसा ढांचा किसी भी बैंकिंग संस्थान के लिए जबरदस्त ढांा से प्रतिकूल है। हालांकि सहकारी समितियों के सिद्धांत मानते हैं कि सदस्य आम लोगों की भलाई के लिए काम करते हैं। सहकारी समितियां ज्यादातर ऋा देने के अलावा पोर्टफोलियो के एकाग्रता जोखिम से भी पीड़ित हैं ङ्क उनका पोर्टफोलियो कृषि पर अत्यधिक केंद्रित है। इसके अलावा भौगोलिक स्थितियां एक जैसी होने के कारण और उनके अस्सर एकसुथा होने के कारण किसी भी अप्रत्याशित घटना का जोखिम भी साथ साथ बढ़ जाता है। प्राथमिक सहकारी समितियां ज्यादातर ऋा देने के कार्य को अंजाम देती हैं। इसलिए वे धन प्राप्त करने के लिए जिला स्तरीय सहकारी केंद्रीय बैंकों पर निर्भर रहती है लेकिन उनकी भी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। वे भी धन के लिए नगर सहकारी बैंकों पर निर्भर रहते हैं और अंततः धन के लिए नाबार्ड पर निर्भरता होती है। यदि हम इन संस्थाओं को जीवंत बनाना चाहते हैं तो हमें महाराष्ट्र, केरल, तटीय

कर्नाटक, पश्चिम बंगाल के कुछ स्थानों और तेलंगाना में सफल मॉडलों से सीखना होगा। इन क्षेत्रों की प्राथमिक सहकारी समितियों ने स्वाभाविक जोखिमों से बचने के लिए अपने बहीखाते में विविधता लाकर सफलता प्राप्त की है। यदि हम ग्रामीण सहकारी संरचना के बारे में मौलिक रूप से सोचें और ग्रामीण सहकारी समितियों को जीवंत बनाएं तो संभवतः निम्नलिखित उपाय सहायक होंगे। ऐसी ज्यादातर सहकारी समितियों के पास स्थानीय स्तर की जमा राशि होती है जिससे स्थानीय स्तर पर उनकी हिस्सेदारी बनती है। वे गैर-ऋा व्यापारिक गतिविधियों का संचालन करती हैं, जिससे आय के स्रोत विविध होते हैं। ये दो बफर उन्हें तनावपूर्ण वर्षों में मजबूती प्रदान करते हैं। आज के आधुनिक दौर में मध्य-स्तरीय जिला बैंक से परस्पर जुड़ाव कोई खास फायदा नहीं पहुंचाता है बल्कि चर्चा का बोझ बढ़ जाता है। यदि हमारा सहकारी बैंकों के साथ एकीकृत करने की जरूरत है ताकि वे एकीकृत रूप से एकल प्रबंधित पेशेवर बैंक बनें। इस बैंक को 'सहकारी' बैंक के रूप में नहीं बल्कि एक विशेषीकृत क्षेत्रीय बैंक (एसआरबी) के रूप में लाइसेंस दिया जाना चाहिए। इसका मुख्य काम सहकारी संस्थाओं के बहीखाते पर ध्यान देना है। एसआरबी प्राथमिक सहकारी संस्थाओं के पास मौजूद अतिरिक्त कोष को संचालने और पूरे सहकारी ढांचे को ऋा और गैर ऋा दोनों तरह की फाइनेंसिंग सुविधाएं देंगे। एसआरबी को शेयर सिफ्टि सहकारी संस्थाओं और सहकारी जैसी संस्थाओं को भी जोड़ किए जाने चाहिए और उनमें किसान उत्पादक संगठन और दूसरी स्थानीय संस्थाएं शामिल हों। हालांकि इसका कामकाज और प्रबंधन 'एक व्यक्ति (या इस मामले में एक संस्था) - एक वोट' वाले सहकारी सिद्धांत के आधार पर नहीं बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार स्वतंत्रता और योग्यता व उद्युक्तता की सभी शर्तें पूरी करते हुए हो।

-धनंजय राजौरा

प्राकृतिक खेती अपनाकर पवित्रा नागर बनीं आत्मनिर्भर, हर महीने कमा रहीं 20 हजार रुपए

‘बलराम कृषि महोत्सव’ में उत्कृष्ट कार्य के लिए हुई सम्मानित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम कन्देरिया की निवासी श्रीमती पवित्रा नागर ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। कभी घर के कामकाज और खेती में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण में सहयोग करने वाली श्रीमती पवित्रा नागर आज प्राकृतिक खेती एवं जैविक उत्पादों के माध्यम से प्रतिमाह करीब 20 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। उनकी यह सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। वे अपनी सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार व्यक्त कर रही हैं। श्रीमती पवित्रा नागर ने बताया कि वे



आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़ी और कृषि सखी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद उन्हें कृषि सीआरपी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

इसी दौरान आत्मा विभाग के अधिकारियों ने गांव में किसानों के साथ बैठक कर उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम होने, आय बढ़ने और स्वास्थ्य को लाभ मिलने की जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने भी इस दिशा में कदम बढ़ाया।

उन्होंने अपने चार बीघा खेत में प्राकृतिक खेती शुरू की। इसके अंतर्गत सब्जियों, लहसुन और फूलों का उत्पादन किया, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई।

उनके कार्य और प्रयासों को देखते हुए उन्हें बीआरसी सेंटर का कार्य भी सौंपा गया। इसके लिए शासन की ओर से प्रथम किशत के रूप में 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्होंने अपने यहां बायो यूनिट स्थापित की।

इस बायो यूनिट के माध्यम से वे घन जीवामृत, जीवामृत सहित 10 प्रकार की जैविक दवाइयां तैयार कर किसानों को उपलब्ध करा रही हैं। इससे उन्हें आय का एक नया स्रोत मिला है और उनकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई है। आज वे खेती के साथ-साथ जैविक उत्पाद तैयार कर अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। प्राकृतिक खेती

के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य और उपलब्धियों को देखते हुए 'बलराम कृषि महोत्सव-2026' एवं जिला स्तरीय किसान मेले में उन्हें सम्मानित किया गया।

श्रीमती पवित्रा नागर अपनी सफलता का श्रेय आजीविका मिशन, कृषि विभाग के मार्गदर्शन और शासन की योजनाओं को देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हैं। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

चलित भंडारा हुआ शुरू, 41 वर्षों से जारी सेवा परंपरा



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माँ शारदीय नवरात्रि पर्व पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार महाराणा प्रताप सेना ठाकुर राजेंद्र सिंह बैस मित्र मंडल द्वारा चलित भंडारे का शुभारंभ

किया गया। 11 अक्टूबर की रात्रि 8 बजे महाराणा प्रताप (भोपाल) चौरोहे से भंडारे की शुरुआत हुई। नवरात्रि के दौरान चलित भंडारे के माध्यम से शहर के प्रमुख माता पंडालों, माता टेकरी क्षेत्र, बायपास रोड, मुख्य मार्गों सहित तीन ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी। भंडारे के आयोजक ठाकुर राजेंद्र सिंह बैस ने बताया कि इस सेवा कार्य की शुरुआत लगभग 41 वर्ष पूर्व माता टेकरी की सीड़ियों से हुई थी। शुरुआती 30 वर्षों तक वहीं श्रद्धालुओं की सेवा की जाती रही। बाद में प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण पिछले 11 वर्षों से भंडारे का स्वरूप बदलकर चलित भंडारे के रूप में सेवा कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नवरात्रि में माता रानी के दर्शन के लिए आने वाले अधिक से अधिक श्रद्धालुओं तक प्रसादी पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि चलित भंडारे के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं को प्रसादी का लाभ मिलेगा। इसमें खिचड़ी, चाय, पानी के पाउच, फल, मिक्सर, केले, मूंगफली और बच्चों के लिए चॉकलेट वितरित की जाएगी। भंडारे के माध्यम से शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्रद्धालुओं की सेवा की जाएगी। ठाकुर राजेंद्र सिंह बैस ने समस्त श्रद्धालुओं और नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर माता रानी की कृपा स्वरूप प्रसादी ग्रहण करने की अपील की। नवरात्रि के दौरान चलित भंडारा श्रद्धालुओं की सेवा और धार्मिक आस्था का केंद्र रहेगा।

बाईक से टिककर खड़ा था नाबालिग, चोरी के शक में युवक ने की पिटाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित राजारजेश्वरी माता मंदिर के पास अज्ञात व्यक्ति ने एक नाबालिग के साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट की। जिसका वीडियो भी सामने आया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामला संज्ञान में लिया और संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक नाबालिग लड़का मंदिर के पार्किंग गेट के पास एक खड़ी बाइक से टिककर खड़ा था। तभी एक व्यक्ति ने उसे गाड़ी चोर कहकर वीडियो बनाना शुरू किया। जब बालक ने मना किया तो युवक और उग्र हो गया और उसके साथ गाली गलौज कर उसके साथ बर्बरता की। इसमें किशोर की गर्दन और दाहिने कंधे पर चोट आई। घटना से डरा किशोर पिता के लौटने पर थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज करवा दिया। पुलिस ने जब वीडियो देखा तब संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज किया।

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कालापीपल की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी के माध्यम से गायब हुई राशि को बचा लिया है, जिसे फिलहाल होल्ड कर दिया गया है और कानूनी प्रक्रिया के बाद यह राशि संबंधित को लौटा दी जाएगी। यह राशि 16 खातों में ट्रांसफर की जा रही थी जिसे उसके पहले ही होल्ड कराने में पुलिस को सफलता मिली है। दरअसल हाल ही में थाना कालापीपल क्षेत्र के एक निवासी के साथ अज्ञात साइबर ठागों द्वारा 99 हजार 999 की ऑनलाइन ठगी की गई थी। पीड़ित द्वारा तत्काल थाना



कालापीपल की साइबर हेल्प डेस्क को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पीके पाठक के निर्देश पर साइबर हेल्प डेस्क की टीम ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित किया। पीड़ित की ई-एफआईआर पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अपराध क्रमांक 542/2026, धारा 318(4)

बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी गई 99 हजार 999 की संपूर्ण राशि जो 16 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर हो रही थी उसे तत्काल प्रभाव से होल्ड करा दिया। पुलिस की इस तत्परता से पीड़ित की मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के हाथों में जाने से बच गई। राशि को पीड़ित के खाते में वापस रिफंड कराने की वैधानिक प्रक्रिया जारी है। एसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी महेंद्र तारेणकर और शुजालपुर एसडीओपी निमेश देशमुख के निर्देशन में पुलिस ने यह सफलता हासिल की है।

श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर, भागवत का विश्राम हुआ एवं महाप्रसाद वितरण हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ा मालसापुरा में पटेल परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम हवन-पूजन, पितृ तर्पण एवं महाप्रसादी के साथ हुआ। कथा के विश्राम दिवस पर पीड़ित दीपक स्वामी ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता, प्रेम, त्याग और समर्पण के प्रसंग ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथावाचक पं. स्वामी ने श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र के माध्यम से बताया कि सच्ची मित्रता में ऊंच-नीच, धन-दौलत और पद-प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा सुदामा का जिस प्रेम और आत्मीयता से स्वागत किया, वह मित्रता



पूजन एवं भागवत पूजन किया गया इस दिव्य आयोजन में समस्त ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजक पटेल परिवार ने श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

की सर्वोच्च मिसाल है। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम, विनम्रता और निस्वार्थ भाव का विशेष महत्व है। भगवान अपने भक्तों के भाव और श्रद्धा को देखते हैं, न कि उनकी संपत्ति को। कथा के दौरान सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिन पर ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर भक्ति का आनंद लिया। पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण से शोभायमान लग रहा था कथा समापन के बाद विधि-विधान गुरु

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के नेतृत्व में जनगणना-2027 की तैयारियां तेज

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत विदिशा जिले में जनसंख्या गणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के नेतृत्व में जिले में जनगणना कार्य से संबंधित तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर समन्वय एवं प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत सभाकक्ष, विदिशा में आयोजित किया जा रहा है। जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना के द्वितीय चरण में होने वाली जनसंख्या गणना के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रक्रियाओं और दायित्वों से अवगत कराना है। जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जाना प्रस्तावित है। जनगणना निदेशालय के प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश के प्रशिक्षक श्री दिलीप साहू एवं सुश्री दीक्षा केसवानी द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अपर कलेक्टर व जिला जन गणना अधिकारी श्रीमती मीना मेसराम ने प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य से संबंधित प्रक्रियाओं, निर्धारित दिशा-निर्देशों तथा जिम्मेदारियों के अनुरूप कार्य संपादित करने के उपायों पर गहन प्रकाश डाला उन्होंने कहा है कि प्रशिक्षण के दौरान जनगणना संबंधी अपनी तमाम जिज्ञासाओं का समाधान बेहिचक प्राप्त करें जरूरत पड़े तो बार बार पूछें। जनगणना-2027 के अंतर्गत जिले में प्रशिक्षण संबंधी समन्वय एवं व्यवस्थाओं के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री नितिन कुमार जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला एवं नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल प्रशिक्षण में जिला जनगणना अधिकारी, नोडल अधिकारी श्री नितिन कुमार जैन, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी), जनगणना लिपिक तथा जिला कार्यालय के तकनीकी सहायक शामिल हैं।

बच्चों ने समझा कैसे जाती है डाक, कैसे पहुंचते हैं अपने को संदेश, राष्ट्रीय डाक सप्ताह के तहत डाकघर में हुआ कार्यक्रम का अयोजन



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने सोमवार को नई सड़क स्थित मुख्य डाकघर का दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने डाकघर का कामकाज समझा और कार्यालय का दौरा किया। शाजापुर में 9 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका मकसद नागरिकों को डाक सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान विद्यार्थियों को डाक कैसे आती है और कैसे शासकीय और जरूरी संदेश पहुंचाए

दस्तावेजों को भेजने में डाक विभाग की भूमिका अहम है। डाक विभाग अपनी सेवाओं के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाए हुए है। राष्ट्रीय डाक सप्ताह के तहत शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में प्रदर्शनीय और जागरूकता शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। आने वाले दिनों में अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों को भी मुख्य डाकघर का भ्रमण कराकर डाक सेवाओं और योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जाते हैं इसके बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने डाक विभाग की शाखाएं देखीं। उन्होंने पत्रों के संकलन से वितरण तक की प्रक्रिया समझी। साथ ही डाकघर की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान मुख्य पोस्टमास्टर हरिशंकर वट ने बच्चों को डाकघर के कामकाज, बचत, बीमा और डिजिटल सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल संचार के दौर में भी, सरकारी और जरूरी

71 फीट का रावण, 35-35 फीट के होंगे कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले

दशहरा उत्सव समिति ने शुभ मुहूर्त में किया भूमिपूजन, ईश्वर से की निर्विघ्न आयोजन की कामना

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के दूसरे दिन से दशहरे के आयोजन का भी श्री गणेश हो गया। इस दिन दशहरा उत्सव समिति द्वारा रावण दहन स्थल का शुभ मुहूर्त मे पूजन किया। दशहरा उत्सव समिति संयोजक दीपक निगम ने बताया कि इस बार 71 फीट ऊंचे रावण के साथ 35-35 फीट के मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों का भी दहन किया जाएगा।

नगर में बरसों से दशहरा उत्सव का आयोजन धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष भी इस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। गत दिनों इसके लिए समिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष दीपक निगम, सह संयोजक चेतन कुशवाह, सचिव गोविंद देवतवाल व कोषाध्यक्ष दिलीप सिंदल को नियुक्त किया गया है, जिनके द्वारा आयोजन को लेकर पूरे दिन तैयारियों की जा रही हैं। समिति द्वारा नगर में धन संग्रह के बाद सोमवार को समिति अध्यक्ष की उपस्थिति में मैदान का पूजन किया गया। इस अवसर पर दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, महासचिव मनीष सोनी,



सत्या वात्रे, गोविंद नायक, धनराज गवली, पं. गोविंद शर्मा, राजेश पारखे, रोहित विश्वकर्मा, अजय गोस्वामी, नीलेश वर्मा, राजेश गौड़, जलज देवतवाल, जीवन प्रदीप, बालकृष्ण यादव, रामस्वरूप शर्मा, मुकेश श्रीवास्तव, लोकेंद्र जाट, राहुल परमार, इशान राठौर, विक्रम कुशवाह आदि उपस्थित थे। जिनकी उपस्थिति में पं. हर्ष शर्मा द्वारा विधि-विधान से रावण दहन स्थल का भूमिपूजन किया गया।

आतिशबाजी का भी होगा आयोजन- इस वर्ष

भी समिति द्वारा आतिशबाजी की भी तैयारियां की गई हैं। इस बार बारूद के बजाए डिजिटल आतिशबाजी को शामिल किया गया है ताकि पूरा आयोजन निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके और लोग आयोजन का आनंद युद्ध के प्रतीक आतिशबाजी का बेहतरान प्रदर्शन का भी आनंद ले सकें। सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने बताया कि इस बार की आतिशबाजी भव्य और आकर्षक होगी। जिससे नगरवासियों को पूरे आयोजन में आनंद आएगा। उन्होंने बताया कि इस बार के आयोजन को आकर्षक बनाने में सभी समिति सदस्यों ने मेहनत की है, ताकि आयोजन को भव्यता भव्य रूप दिया जा सके। अट्टहास करते नजर आएंगे मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले- 20 अक्टूबर को दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन शाम को श्री कृष्ण व्यायामशाला से चल समारोह प्रारंभ होगा जो नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ स्टेडियम पहुंचेगा। जहां 71 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ ही 25-25 फीट के मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों का भी दहन किया जाएगा। रावण के साथ इन दोनों के पुतले का निर्माण भी अंतिम चरण मे है।

वा संगम रोजगार मेले में 209 युवाओं का पंजीयन, 130 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन



विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत विदिशा जिले के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार 12 अक्टूबर को जनपद पंचायत सिरोंज अंतर्गत शासकीय लालबहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिरोंज में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले) का आयोजन किया गया था। मेले में विभिन्न कंपनियों एवं संस्थानों ने सहभागिता करते हुए युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कार्यक्रम में कुल 209 अभ्यर्थियों का पंजीयन किया गया, जिनमें से 130 अभ्यर्थियों का प्राथमिक रूप से चयन किया गया। यह आयोजन जिला रोजगार कार्यालय विदिशा, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विदिशा, आजीविका मिशन तथा आईटीसी मिशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मेले का उद्देश्य युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। 09 कंपनियों एवं संस्थानों ने की सहभागिता

युवा संगम मेले में पुखराज हेल्थ केयर, स्काई इंडिया लिमिटेड, एसबीआई आरसेटी (स्वच्छस्वच्छ), एनआईआईटी (आईसीआईसीआई बैंक), आईटीसी मिशन, एसआईएस सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड सहित कुल 09 कंपनियों एवं संस्थानों ने भागीदारी की। इन कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों से संवाद कर उनकी योग्यता, कौशल एवं रोजगार संबंधी संभावनाओं के आधार पर प्राथमिक चयन की प्रक्रिया संपन्न की।

मेले में युवाओं को निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से परिचित कराने के साथ ही रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, प्रशिक्षण एवं करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर युवाओं की काउंसिलिंग जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विदिशा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी गई। युवाओं को एमएसएमई प्रोत्साहन योजना, मध्यप्रदेश स्टार्टअप पॉलिसी, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजना तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में विस्तार से बताया गया। युवाओं को इन योजनाओं के माध्यम से स्वयं का व्यवसाय एवं उद्यम स्थापित करने की संभावनाओं, उपलब्ध सहायता तथा आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देकर उनकी काउंसिलिंग की गई।

बदनावर में अघोषित बिजली कटौती से हाहाकार

सत्ताधारी नेताओं के बाद अब सड़कों पर उतरी कांग्रेस

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर क्षेत्र का अन्नदाता आज दोहरी मार झेलने को मजबूर है। एक तरफ कुदरत की बेरखी और कम बारिश ने फसलों की कमर तोड़ दी है, तो दूसरी तरफ विद्युत मंडल का अघोषित बिजली टॉर्नर किसानों को तड़पा-तड़पा कर मारने पर आमादा है। पानी के अभाव में फसलें सूख रही हैं, लेकिन बिजली विभाग के कानों पर जू तक नहीं रेंग

रही। विभागीय अधिकारियों की इस तानाशाही और मनमानी से अब सत्ता पक्ष के स्थानीय नेता भी बिफर पड़े हैं और अपनी ही व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आक्रोशित नेताओं का साफ कहना है अधिकारियों की नाकामी ने जनता का जीना ह्याम कर दिया है। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन हम भी

नमो सेवा अनकही कहनियां
से जन-जन तक पहुंचीं
जनकल्याणकारी योजनाएं

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत नमो सेवा अनकही कहनियाँ कार्यक्रम के तहत सम्पूर्ण विदिशा जिले के नगरीय प्रिकायों एवं जनपद क्षेत्रों में जिला प्रशासन के सहयोग से आकर्षण्म् जन कल्याण समिति द्वारा व्यापक स्तर पर नुक़ड़ नाटक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 29 एवं 30 सितंबर तथा 03 एवं 05 अक्टूबर 2026 को जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों और प्रमुख बाजार क्षेत्रों में संपन्न हुए। अभियान के दौरान जिले भर में कुल 48 नुक़ड़ नाटकों की प्रभावी प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में 37 नाटक टेलियां ने भाग लेकर जनसामान्य को शासन की जनहितैषी योजनाओं, सामाजिक सरोकारों, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा तथा नागरिक कर्तव्यों से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिए। इन प्रस्तुतियों में लगभग 500 कलाकारों ने सहभागिता करते हुए अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। नुक़ड़ नाटकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक योजनाओं की जानकारी सहज, रोचक एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाई गई। कार्यक्रमों को नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहयोग एवं सराहना प्राप्त हुई। जिला प्रशासन एवं आकर्षण्म् जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित यह अभियान जनजागरूकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिसने शासन की लोककल्याणकारी गतिविधियों को आम जनता तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाई।

ध्वजारोहण के साथ धार्मिक महाआयोजन का शंखनाद, 51 जोड़ों का होगा निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन

21 कुंडात्मक लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, विराट धर्मसभा और कवि सम्मेलन भी होंगे आयोजित

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म, अध्यात्म, वैदिक परंपरा और सामाजिक समरसता के संगम के रूप में एक भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियों का सोमवार को ध्वजारोहण के साथ विधिवत शुभारंभ हुआ। इस महाआयोजन में 21 कुंडात्मक लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, 51 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन, विराट धर्मसभा और कवि सम्मेलन सहित कई धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही आवासीय वैदिक विद्यालय के भूमिपूजन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। आयोजन में परम् पूज्य 1008 संत श्री बालक दास जी महाराज, षट्दशंन गण्डल राज्यमंत्री योगेंद्र महंत, संत वीआईपी महाराज, संच प्रचारक प्रमोद झा, बालकृष्ण शास्त्री मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के साथ धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हुई। कार्यक्रम भागवतचार्य पंडित लोकेशानंद जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक चेतना को मजबूत करने के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कारों और वैदिक परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। 21 कुंडों पर होगा लक्ष्मीनारायण महायज्ञ- आयोजन का प्रमुख

शुरू कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि यह सिर्फ कटौती नहीं, बल्कि किसानों के पेट पर लात मारने का षड्यंत्र है। जब तक 10 घंटे की निर्बाध बिजली नहीं मिलती, आंदोलन और उग्र होगा।

जब भी बदहाली पर सवाल उठते हैं, तो अधिकारियों की जुबान पर एक ही रटा-रटया डायलॉग आता है मेटेनेंस कार्य जारी है। सवाल यह उठता है कि क्या बदनावर में मेटेनेंस कभी खत्म भी होता है। नियमत मेटेनेंस का काम मानसून शुरू होने से पहले सिमट जाना चाहिए, लेकिन यहाँ तो पूरा साल ही अधिकारियों की अकर्मण्यता और मेटेनेंस के खोखले बहाने की भेंट चढ़ चुका है। अंदरखाने के सूत्रों से मिली बेहद चौकाने वाली जानकारी के अनुसार, सरकार द्वारा

मैं मक्का के अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उपयोगी प्रबंधन करने का निर्णय लिया है। पिछले वर्ष की कार्रवाई से मिली सीख, इस बार नरवाई नहीं जलाने का संकल्प प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषक रामसिंह किरार के विरुद्ध पिछले वर्ष नरवाई जलाने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था तथा उन्हें जुर्माने की राशि भी जमा करानी पड़ी थी। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित नरवाई प्रबंधन जागरूकता शिविरों के माध्यम से उन्हें फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले नुकसान और उनके उचित प्रबंधन के विकल्पों की जानकारी मिली। पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए कृषक ने इस वर्ष मक्का के फसल अवशेषों को आग लगाने के बजाय भूसा मशीन की सहायता से प्रबंधित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उनके इस प्रयास से यह संदेश सामने आया है कि जागरूकता, सही जानकारी और उपलब्ध कृषि यंत्रों के उपयोग से नरवाई जलाने की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है।

मंडी में अत्यवस्था पर फूटा किसानों का गुस्सा, सुरक्षा गार्ड नदारद, लाइन को लेकर विवाद के बाद बड़ा कांटा कारया बंद

वाहन आड़े-तिरछे खड़े हो गए। जिस प्रांगण में तौल कांटा संचालित है, वहीं पर नीलामी की प्रक्रिया भी की जा रही थी, जिससे जगह का भारी अभाव बन गया। गेहूं के सीजन की तरह वाहनों को सुव्यवस्थित कतार में लगाने की कोई व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालकों ने आड़ी-तिरछे 5-6 कतारें लगा दीं। पहले तौल कराने की होड़ में किसानों के बीच आपस में तीखी नोकझोंक और विवाद की स्थिति बन गई। आक्रोशित किसानों का कहना था कि जब तक कतारें व्यवस्थित नहीं

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर संवादात्मक सत्र एवं गतिविधियाँ आयोजित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा के मेंटल हेल्थ क्लब (मानसिक स्वास्थ्य एवं छत्र कल्याण) द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं के लिए एक विशेष संवादात्मक सत्र एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी डी अहिरवार ने मां सरस्वती के पूजन के उपरांत अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि एक स्वस्थ एवं सकारात्मक कार्यस्थल के निर्माण के लिए मानसिक स्वास्थ्य और आपसी सामंजस्य सर्वोपरि है। सत्र के मुख्य वक्ता हिंदी साहित्य के सहायक प्राध्यापक श्री असमुरारी नंदन मिश्रा ने अपने सारांभित व्याख्यान में आत्म-सम्मान, परस्पर आदर और सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सहायक प्राध्यापक डॉ. रामू विश्वकर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संगीत विभाग की छात्राओं ने ऊर्जावान गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियां देकर संपूर्ण वातावरण को आनंदमय बना दिया। सत्र को जीवंत और तनावमुक्त बनाने हेतु स्टाफ सदस्यों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

42 नामों का मेला, फिर भी मंडल अध्यक्ष लापता

बदनावर की पंचायत में नाम गुमशुदा पर घमासान

उन्होंने अपनी ही पार्टी के कुछ आकाओं और पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली पर तीखा कटाक्ष किया। नेत्री ने दो टूक शब्दों में लिखा कि विधानसभा के कई मंडल अध्यक्षों को तो शायद यह भी पता नहीं है कि इस पद की गरिमा क्या होती है। पद का मतलब पार्टी की हर सूचना नीचे तक पहुंचाना, कार्यकर्ताओं को एकजुट करना और पार्टी को मजबूत करना होता है। लेकिन यहाँ कुछ लोग अपने निजी नफे-नुकसान के हिसाब से यह तय करते हैं कि कौन अपेक्षित है और कौन उपेक्षित। बयान में नेत्री ने आगे तंज कसते हुए कहा कि आम कार्यकर्ता न तो जुआ चलाता है, न सट्टा खेलता है, न शराब बेचता है और न ही अवैध वसूली करता है वह पूरी ईमानदारी से पार्टी के लिए खपता है। ऐसे में यदि दायित्ववान लोग ही अपनों की काट-छँट करने लगेंगे, तो वे पार्टी को गत में ही ले जाएंगे। अब यह बड़ा सवाल

वक्तफ़ बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष श्री डॉक्टर सनोवर पटेल ने वक्तफ़ कब्रिस्तान उन्हेल में पौधा रोपण किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज वक्तफ़ कब्रिस्तान कमेटी उन्हेल के नेतृत्व में श्री डॉक्टर सनोवर पटेल मध्य प्रदेश वक्तफ़ बोर्ड के अध्यक्ष, व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त के द्वारा वक्तफ़ कब्रिस्तान उन्हेल में पौधा रोपण किया गया पौधारोपण के पश्चात श्री पटेल का श्री फल साफा व पुष्प माला पहना कर स्वागत किया गया मौके पर कार्यक्रम में गम्बर पटेल जिला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष, राजकुमार जैन भाजपा मंडल अध्यक्ष, दिलीप मोदी पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष, बबलू पटेल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाअध्यक्ष रत्नलाम, , सीनू कुरैशी,वक्तफ़ कब्रिस्तान कमेटी अध्यक्ष शकीरा टीवी, इदरीस अली, लकी अली, शहर काजी जावेद सा,सत्तार चौधरी, जाकिर वकील सा. मुकेश गांधी, तहसीन उद्दीन जागीदार, समीर मुल्तानी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकील शाह, शहजाद जागीरदार, जाकिर गुड्डू नागदा, जाहिद लाला नागदा आदि मौजूद रहे

सीहोर के बॉक्सरों ने ग्वालियर में लहराया जीत का परचम, जीते 9 मेडल

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सीहोर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में शामिल सीहोर के 10 खिलाड़ियों में से 9 मुक़्बलाजों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 9 पदक हासिल किए। सीहोर लौटने पर सामाजिक संस्था टीम संडे का सुकून ने विजेता खिलाड़ियों और उनकी कोच रेखा कुशवाहा का स्वागत कर सम्मानित किया। टीम संडे का सुकून के सदस्यों ने खिलाड़ियों को पुष्पमालाएं पहनाकर और बधाई देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कोच रेखा कुशवाहा ने कहा कि सीहोर में यह पहला अवसर है, जब किसी संगठन ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को आर्थिक एवं प्रशासनिक सहयोग देने के साथ ही उनकी जीत पर भव्य स्वागत और सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रोत्साहन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा और उन्हें भविष्य में प्रदेश के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतने के लिए प्रेरित करेगा। कोच रेखा कुशवाहा ने टीम संडे का सुकून के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था सीहोर के विकास और यहाँ की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था का सहयोग खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, संस्था के सदस्यों ने विजेता खिलाड़ियों को आश्चस्त किया कि भविष्य में खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए हर्ससंभव सहयोग दिया जाएगा, ताकि संसाधनों के अभाव में जिले की प्रतिभाएं आगे बढ़ने से वंचित न रहें।

स्वामित्व योजना के तहत विदिशा जिले में 139 रजिस्ट्रियां पूर्ण, ग्रामीणों को संपत्ति के अधिकार दिलाने की दिशा में प्रयास जारी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्तियों का सर्वेक्षण कर ग्रामीणों को उनकी भूमि एवं आवासीय संपत्ति के अधिकारों का अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध करने, संपत्ति संबंधी विवादों में कमी लाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निदेशन में स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में तेजी, विदिशा जिले में एक दिन में 139 रजिस्ट्रियां पूर्ण हुई हैं।विदिशा जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्राप्ति रिपोर्ट के अनुसार, जिले की 12 तहसीलों में कुल 1 लाख 33 हजार 899 भूखंड दर्ज किए गए हैं तथा 1 लाख 72 हजार 279 हितग्राहियों

का विवरण दर्ज है। इनमें से 3,181 प्रकरणों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जबकि 170 प्रकरणों में पटवारी सत्यापन दर्ज है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक कुल 139 रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। यह प्रगति ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के दस्तावेज उपलब्ध करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण कदम है। कुवार्ड में सर्वाधिक 27 रजिस्ट्रियां पूर्ण तहसीलवार प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, कुवार्ड

तहसील में सर्वाधिक 27 रजिस्ट्रियां पूर्ण हुई हैं। इसके बाद सिरोंज में 23 लटेरी में 21, बानीदा में 11, ल्योदा में 10, ग्यारसपुर में 8, नटेरन में 11, विदिशा तहसील में 13, विदिशा नगर में 3, शमशाबाद में 12, गुलाबगंज में 1 तथा पठारी में 2 रजिस्ट्रियां पूर्ण दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रजिस्ट्री प्रक्रिया प्रारंभ करने के मामलों में सिरोंज तहसील में 550, लटेरी में 492 तथा ग्यारसपुर में 347 प्रकरण दर्ज हैं।

कलेक्टर डॉ.भरसट की अध्यक्षता में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के रामा, राणापुर, थांदला एवं मेघनगर विकासखंडों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित 38 संकेतकों की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, जनजातीय कार्य, ग्रामीण विकास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि एवं पशुपालन विभाग की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आकांक्षी विकासखंडों में निर्धारित संकेतकों के अनुरूप कार्यों में प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन,



महिला एवं बाल विकास विभाग को टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित करने, आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण करने तथा पोषण संबंधी संकेतकों का बेसलाइन डेटा तैयार करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, छात्र-शिक्षक अनुपात एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित संकेतकों में के निर्देश दिए। साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से संबंधित संकेतकों को %झाबुआ की आकांक्षा% परियोजना में शामिल करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बैंक सखियों के प्रशिक्षण एवं बैंकिंग टच पॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को रामा एवं थांदला विकासखंड में मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने तथा पशुपालन विभाग को थांदला, रामा एवं राणापुर विकासखंड में गोवंशीय पशुओं के खुरपका-मुंहपका रोग के टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आकांक्षी विकासखंडों के संकेतकों में अपेक्षित सुधार लाने के लिए विभागीय समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रगति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बड़वानी जिले के निवाली में 13 से 17 अक्टूबर तक होने वाले धार्मिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरणों में

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले की निवाली तहसील में 13 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरणों में है । आयोजन को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री पर्यावलोकन शुक्ल ने संयुक्त रूप से बैठक ली। बैठक के पश्चात प्रशासनिक अधिकारियों, आयोजक समिति के पदाधिकारियों के साथ उन्होंने आयोजन स्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा एक विशेष ट्रैफिक डायवर्सन व सुरक्षा योजना लागू की गई है। कथा स्थल और प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। यातायात डायवर्सन एवं मार्ग व्यवस्था 13 से 17 अक्टूबर तक श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुविधा के लिए निम्नलिखित डायवर्सन मार्ग



निर्देश 5 कथा स्थल के मुख्य मार्ग पर किसी भी प्रकार के दोपहिया या चार पहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा। 5 असुविधा से बचने के लिए केवल यातायात पुलिस द्वारा सुझाए गए डायवर्सन मार्गों का ही उपयोग करें। व्यापक पार्किंग व्यवस्था कार्यक्रम में आने वाले वाहनों की सुगम पार्किंग हेतु 6 जौन/ स्थान (पी -1 से पी -6) चिह्नकित किए गए हैं। 1. पी-1 पार्किंग - पानसेमल बैरियर के पास बनाई गई है, जहां 400 से अधिक वाहनों को पार्क किया जा सकेगा (यह मुख्य कार्यक्रम स्थल से लगभग 5.9 किमी दूर है)। 2. पी-2, पी -3 एवं पी -4 पार्किंग - ये सभी पलसुद रोड पर बनाए गए हैं। इनमें पी -2 एक बड़ा पार्किंग जौन है जहाँ 400 से अधिक गाड़ियां पार्क की जा सकेगी, जबकि पी -3 और पी -4 औसत आकार के जौन हैं जहाँ 250 से अधिक गाड़ियां पार्क की जा सकेगी (ये तीनों जौन मुख्य स्थल से लगभग 3.7 से 3.8 किमी दूर हैं)।

पर्यावरण की रक्षा हम सबका संकल्प, शिक्षक विद्यार्थियों में विकसित करें संरक्षण की आदतें - डीएफओ राकेश डामोर

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण की रक्षा हम सब का संकल्प है वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल खंडवा श्री राकेश डामोर ने पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में कही। कार्यशाला जनपद पंचायत खंडवा के सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर डीएफओ श्री डामोर ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करें एवं उनमें पर्यावरण संरक्षण की आदतें विकसित करें। कार्यशाला में



सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई। इस दौरान कार्यशाला में उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी बलवंत पटेल ने शिक्षकों से अपील की कि कार्यशाला में जो भी जानकारी प्राप्त की है, उसकी जानकारी अपने स्कूल के विद्यार्थियों को अवश्य दे। एक दिवसीय कार्यशाला में जिला मास्टर ट्रेनर संगीता सोनवने ने वेस्ट से बेस्ट एवं ईंधी पीटल के उपयोग के संबंध में जानकारी दी। जिला नोडल सदीप जोशी ने इको क्लब प्रभारी

शिक्षकों को शालाओं में इको क्लब संचालन के संबंध में सारागर्भित जानकारी दी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित सुश्री रजनी दुबे ने सीड बॉल मेकिंग एवं औषधीय पौधों के रोपण और उनके लाभों के बारे में बताया। साथ ही साइबर क्राइम पर विशेषज्ञ के रूप में ई-गवर्नेंस से लोकेश शर्मा ने साइबर क्राइम से होने वाली घटनाओं के प्रति सचेत रहने की जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

रबी मौसम में कम पानी मांग वाली फसलों एवं सूखा रोधी किस्मों की बुवाई को प्राथमिकता दें किसान - कलेक्टर डॉ. भरसट

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में इस वर्ष वर्षा की स्थिति एवं मिट्टी में नमी की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने किसानों से रबी मौसम में कम पानी मांग वाली फसलों एवं सूखा रोधी किस्मों की बुवाई को प्राथमिकता देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में उपलब्ध सिंचाई जल एवं मिट्टी की नमी का समुचित उपयोग करते हुए फसल नियोजन करना आवश्यक है, जिससे सीमित जल संसाधनों में भी बेहतर कृषि उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने सोमवार को कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, बीज निगम एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक में रबी मौसम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कम पानी मांग वाली फसलों एवं सूखा रोधी किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त

फसलों एवं किस्मों के चयन हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। एक से दो सिंचाई की सुविधा वाले किसान चने की बुवाई को दें प्राथमिकता- कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जिन किसानों के पास एक से दो सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वे रबी मौसम में चने की फसल को प्राथमिकता दें। जिले में चने की सूखा रोधी किस्मों में जे.जी.-16, आर.व्ही.जी.-202, आर.व्ही.जी.-204 एवं पूसा मानव के बीज बीज निगम एवं बीज समितियों के पास उपलब्ध हैं। किसान इन किस्मों के बीज प्राप्त कर अनुकूल समय पर बुवाई कर सकते हैं।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि वे मिट्टी में उपलब्ध नमी को संरक्षित रखते हुए चने की बुवाई करें। पर्याप्त नमी की स्थिति में अनावश्यक पलेवा से बचें तथा खरीफ फसल की कटाई के पश्चात खेत की स्थिति एवं कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार सूखी बुवाई की तकनीक अपनाएं।

चार या अधिक सिंचाई की सुविधा वाले

हाथीपावा को पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक स्वरूप के अनुरूप ग्रीन फील्ड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में किया जाएगा विकसित

कलेक्टर डॉ. भरसट की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में हाथीपावा को ग्रीन फील्ड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने हेतु गठित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाथीपावा के प्राकृतिक स्वरूप, जैव विविधता एवं पारिस्थितिक संतुलन को संरक्षित रखते हुए इसे पर्यावरण अनुकूल एवं प्रकृति आधारित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने हाथीपावा के विकास में पर्यावरणीय संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि

विकास कार्यों में क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, हरित आवरण एवं पारिस्थितिक विशेषताओं का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। पर्यटन विकास का उद्देश्य व्यावसायीकरण के बजाय प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता एवं आमजन को प्राकृतिक परिवेश से जोड़ना होना चाहिए।

छह सेक्टरों में पर्यावरण अनुकूल विकास की कार्ययोजना पर चर्चा- बैठक में हाथीपावा को छह प्रमुख सेक्टरों में विकसित करने की अवधारणा पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत प्रवेश एवं आगंतुक क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक व्याख्या केंद्र (कल्चरल एंड इकोलॉजिकल इंटरप्रेटेशन सेंटर) विकसित करने, नेचुरल ट्रेल

एवं रिक्रिएशन सेक्टर, एडवेंचर एक्टिविटी सेक्टर, कैम्पिंग एवं वेलनेस सेक्टर तथा कॉन्फ्रेंस एवं एंजुकेशन सेक्टर के रूप में विभिन्न गतिविधियों को विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

इन गतिविधियों के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र की सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित कराने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही प्रस्तावित गतिविधियों को इस प्रकार विकसित करने पर चर्चा की गई, जिससे प्राकृतिक परिवेश पर न्यूनतम प्रभाव पड़े तथा क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता बनी रहे।

मानव रंगोली का निर्माण करना सराहनीय है। यह आयोजन केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, एकता एवं जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण है।

सामूहिक सहभागिता एवं बेहतर समन्वय से सफल हुआ आयोजन ङ्क कलेक्टर डॉ. भरसट- कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मानव रंगोली के सफल आयोजन पर सभी स्कूली छात्राओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम जिले में सामूहिक सहभागिता एवं बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। लगभग 3500 प्रतिभागियों द्वारा एक साथ मानव रंगोली का निर्माण करना अनुशासन, टीमवर्क एवं सामूहिक प्रयासों की सफलता को दर्शाता है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि 'सशक्त मां-सशक्त भारत' की थीम समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। जिले की बालिकाओं एवं महिलाओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता से यह संदेश दिया है कि जनभागीदारी से बड़े से बड़े आयोजन

को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं मानव रंगोली के आकर्षक चित्रांकन की सराहना करते हुए सभी संबंधित विभागों के प्रयासों की प्रशंसा की।

पीटीआई श्री अमजद खान ने तैयार की मानव रंगोली की डिजाइन- 'सशक्त मां-सशक्त भारत' की थीम पर आधारित मानव रंगोली की डिजाइन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री मोनिका बघेल के मार्गदर्शन में पीटीआई श्री अमजद खान द्वारा तैयार की गई। उनके द्वारा मानव रंगोली के निर्माण का समन्वय एवं क्रियान्वयन भी किया गया। स्कूली छात्राओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने निर्धारित डिजाइन के अनुरूप सामूहिक रूप से मां एवं बच्चे की आकृति को साकार किया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने मातृशक्ति के सम्मान, महिला सशक्तिकरण, सामूहिक एकता एवं जनभागीदारी का प्रभावी संदेश दिया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष श्री भानु भूरिया, अन्य जगप्रतिनिधि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि 'सशक्त मां-सशक्त भारत' की थीम पर मां एवं बच्चे के स्वरूप को मानव रंगोली के माध्यम से अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया है। मां परिवार की आधारशिला होती है और एक सशक्त, शिक्षित एवं जागरूक मां ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ सशक्त समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं का सशक्तिकरण शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से मातृशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में स्कूली छात्राओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अनुशासन, समन्वय एवं उत्साह के साथ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू द्वारा बताया गया कि जेल मुख्यालय मध्यप्रदेश, भोपाल जेल प्रिण्ण एण्ड नॉर्देशन के वालिन में केन्द्रीय जेल उज्जैन में बर्दियों हेतु आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम वाचाला कैलेंडर वर्ष 2026/27 के अनुसार षष्ठम चरण में 01 से 10 अक्टूबर तक दस दिवसीय अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की शाखा उज्जैन द्वारा आत्म/व्यक्तित्व परिकर शिविर का आयोजन किया गया। गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन से उपस्थित श्री रामसदास सरिया, श्री विनय गुप्ता, श्री मनोहर बिलावल, श्री प्रभाकर सोनेनो, श्री संजीव पांचाल, श्री सुशील कुमार शर्मा, श्री नंदकिशोर पाटीदार, श्री देवीसिंह शंकर तिवारी, श्री जयप्रकाश सरिया, श्री सुभाष पाटीदार एवं श्री दिवंगजयसिंह चौहान द्वारा 55 प्रश्न बर्दियों को वेद, ज्ञान, यात्र, मंत्रोच्चारण, योग, ध्यान एवं कर्मकांड का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही पितृ मोक्ष अमावस्या के अवसर पर जेल में परिरुद्ध/निरुद्ध बर्दियों को अपने पूर्वजों का तर्पण एवं पिंडदान विधि संजल करवाई गई। उक्त तर्पण कार्यक्रम में लगभग 120 बर्दियों द्वारा अपने पूर्वजों का तर्पण एवं पिंडदान किया गया।